मूल्य 1 रु.

वर्षः 9 - अंक : 216, मुंबई, शनिवार, 9 नवंबर, 2019 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)

अब हर सच होगा उजागर

फडणवीस का इस्तीफा

...कहा- ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री रहने के मुद्दे पर शिवसेना से मेरे सामने कभी चर्चा नहीं हुई

जिस वक्त देवेंद्र फडणवीस राज्यपाल को इस्तीफा देने पहुंचे, ठीक उसी वक्त राउत राकांपा प्रमुख शरद पवार से मिले

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को अपना इस्तीफा सौंपा। जिस वक्त फडणवीस अपना इस्तीफा सौंपने राज्यपाल के पास पहुंचे, ठीक उसी वक्त शिवसेना नेता संजय राउत ने राकांपा प्रमुख शरद पवार से मुलाकात की। (शेष पृष्ठ 5 पर)

हमने कभी व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की: राउत

फडणवीस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद राउत ने कहा- हमारी भाजपा को शुभकामनाएं हैं। वे चाहें तो सरकार बना सकते हैं। हमने कभी भी अमित शाह या नरेंद्र मोदी के लिए व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं की। हम यह बात स्पष्ट कर दें कि हम चाहें तो शिवसेना की सरकार बना सकते हैं। हमारी सभी से बातचीत चल रही है।

फडणवीस ने कहा- पिछले 10 दिनों में मोदी के खिलाफ जिस तरह के बयान दिए गए, वे सहन नहीं किए जा सकते

उद्धव ने कहा- गलत लोगों के साथ गठबंधन का अफसोस

शिवसेना का सीएम बनाने के लिए शाह की जरूरत नहीं

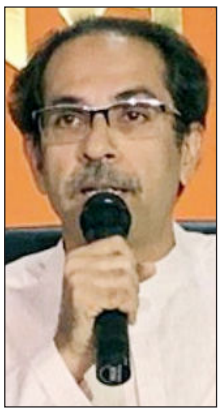

मुंबई। देवेंद्र फडणवीस के इस्तीफे और उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शुक्रवार शाम शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयानबाजी के आरोपों पर उद्धव ने कहा कि हमने कभी भी उनके खिलाफ टिप्पणी नहीं की। शिवसेना अध्यक्ष ने कहा कि मुझे गलत लोगों के साथ गठबंधन का अफसोस है। मैंने बाला साहब ठाकरे से शिवसेना का मुख्यमंत्री बनाने का वादा किया था और ऐसा करने के लिए मुझे शाह या फडणवीस की जरूरत नहीं है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

हम जुबान देते हैं तो निभाते हैं: ठाकरे

50-50 फॉर्मुले को लेकर बीजेपी पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए ठाकरे ने कहा कि झूठ बोलने वालों से कैसी बातची। उन्होंने कहा कि जब आप (बीजेपी) इतना झूठ बोलते हो तो चर्चा किस बात की होगी। उद्धव ने कहा कि उन्होंने अपने पिता बाला साहेब को वचन दिया था कि एक दिन महाराष्ट्र में शिवसेना का सीएम होगा। उन्होंने कहा कि जो जुबान दिया है उसे पूरा करेंगे। अगर बीजेपी के साथ नहीं तो किसी और के साथ मिलकर पूरा करेंगे।

एनईएफटी पर जनवरी 2020 से शुल्क नहीं लगेगा

आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिए

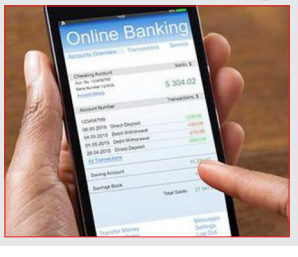

मुंबई। आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिए हैं कि जनवरी 2020 से नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड्स ट्रांसफर (एनईएफटी) पर बचत खाताधारकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाए। डिजिटल ट्रांजेक्शन को बढ़ावा देने के मकसद से आरबीआई ने शुक्रवार को ये निर्देश जारी किए। आरबीआई ने सभी अधिकृत पेमेंट सिस्टम्स को नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन फास्टैग से लिंक करने की मंजूरी भी दी है। (शेष पृष्ठ 5 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

संक्षिप्त खबर

जल्द चलेगी कल्याण से आगे 15 डिब्बों की लोकल

मुंबई। मध्य रेलवे में बढ़ते हुए यात्रियों देखते हुए अब जल्द ही 15 डिब्बों की ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इतना ही नहीं 15 डिब्बों की सेवाओं का लाभ कल्याण से आगे रहने वाले यात्रियों को भी मिलेगा। इस बात की जानकारी एक अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि बदलापुर, अंबरनाथ, खोपोली, आसनगांव, कसारा के बीच सभी स्टेशनों पर प्लैटफॉर्म के विस्तार का काम तेजी से चल रहा है। अगले 2-3 महीनों में यहां 15 डिब्बों की सेवाएं शुरू कर दी जाएंगी। प्लैटफॉर्म विस्तार के लिए मुंबई रेल विकास निगम (एमआरवीसी) करीब 490 करोड़ रुपये की निधि देने के लिए तैयार हो गया है।
मध्य रेलवे में भीड़ के कारण पश्चिम रेलवे के मुकाबले ज्यादा लोगों की मौत होती है। ठाणे से खोपोली, कसारा के बीच व्यस्ततम समय में सफर करना जानलेवा साबित होता है। ट्रेन से यात्रियों के गिरने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। कल्याण के आगे खोपोली या कसारा तक फास्ट लोकल स्लो हो जाती है। ऐसे में भीड़ के समय सफर परेशानियों भरा हो जाता है। अभी मध्य रेलवे पर दो रेक 15 डिब्बों के हैं, जिनसे 22 सेवाएं रोजाना चलती हैं। ये सेवाएं केवल कल्याण से सीएसएमटी तक सीमित हैं। लोकल में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए मध्य रेलवे ने 15 डिब्बा प्लैटफार्म विस्तार का प्रस्ताव तैयार कर रेलवे बोर्ड को भेजा था। रेलवे बोर्ड से मंजूरी मिलते ही अब एमआरवीसी ने भी इस परियोजना के लिए निधि देने की तैयारी शुरू कर दी है। प्लैटफॉर्म विस्तारण का काम 3 चरणों मे किया जाएगा। पहले चरण में कल्याण से बदलापुर, दूसरे चरण में कल्याण से आसनगांव और तीसरे चरण में बदलापुर से खोपोली और आसनगांव से कसारा का काम होगा। इसमें प्लैटफॉर्म का विस्तार, ओवरहेड वायर सहित तकनीकी काम किए जाएंगे। विस्तार के बाद सीएसएमटी से कल्याण और सीएसएमटी चलने वाली फास्ट लोकल बदलापुर, आसनगांव, खोपोली तक दौड़ेंगी। इनके अलावा अतिरिक्त 15 डिब्बा लोकल सेवाओं को चलाया जाएगा।

मुंबई में गड्ढे भरने पर इनाम रखा तो मुस्तैद हुए अधिकारी, अब योजना खत्म

मुंबई। एक नवंबर से गड्ढे न भरने पर इनाम देने की घोषणा सात नवंबर को खत्म हो गई। इस दौरान ऐप पर आई 1,445 शिकायतों में से 1,319 का समाधान किए जाने का बीएमसी ने दावा किया है। यानी कुल शिकायतों में से 91.3% का समाधान तय समय-सीमा में हो गया, जबकि कुछ शिकायतें 24 घंटे की समय-सीमा के बाद हल की गईं।
शिकायतकताओं से बीएमसी ने सर्वे भी किया, जिसमें 69% ने संतुष्टि जताते हुए 5 स्टार रेटिंग दी है। गौरतलब है कि गड्ढों की शिकायत का 24 घंटे में समाधान न होने पर शिकायतकर्ता को 500 रुपये जुमार्ने के तौर पर देने का स्पष्ट निर्देश अधिकारियों को दिया गया था। इसके बाद से गड्ढे भरने को लेकर मुहिम शुरू हो गई। एक अधिकारी के अनुसार, सामग्री की दिक्कत समेत अन्य वजहों से सारे गड्ढे नहीं भरे जा सके। लेकिन ज्यादातर गड्ढे भर लिए गए। बीएमसी अडिशनल कमिश्नर विजय सिंघल ने बताया कि हमने हर घंटे आने वाली शिकायतों के समाधान पर नजर रखी। इस गति से समस्याओं के समाधान की यह अनोखी पहल थी।

कार चालक ने बच्ची को रौंदा, जख्मी

मुंबई। नवी मुंबई के कंलबोली स्थित साईं नगर में 9 साल की एक बच्ची को 42 वर्षीय एक कार चालक ने कुचल दिया। यह घटना मंगलवार की है। इस हादसे में बच्ची गंभीर रूप से जख्मी हो गई। सड़क दुर्घटना के बाद आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस के पास लड़की के परिवारवालों ने शिकायत नहीं दर्ज कराई है।

इतिहास गवाह, दिल्ली के तख्त के आगे नहीं झुकता महाराष्ट्रः नवाब मलिक

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से जारी राजनीतिक हलचल तेज होती जा रही है। अलग-अलग गठबंधन समीकरणों के अलावा राष्ट्रपति शासन के विकल्प की अटकलें रह-रहकर लगाई जाने लगती हैं। इसे लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के सीनियर नेता नवाब मलिक ने भारतीय जनता पार्टी पर हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बीजेपी राष्ट्रपति शासन लागू कर दिल्ली से महाराष्ट्र की स त्ता चलाना चाहती है।

मलिक ने शुक्रवार को ट्वीट कर आरोप लगाया है- 'महाराष्ट्र को बीजेपी राष्ट्रपति शासन की ओर ढकेल, मोदी और शाह जी की जोड़ी के जरिये दिल्ली से महाराष्ट्र की सत्ता की बागडोर चलाना चाहती है। यह महाराष्ट्र का अपमान जनता सहन नहीं करेगी।' मलिक ने आगे कहा- 'दिल्ली के तख्त के आगे महाराष्ट्र नहीं झुकता, यह इतिहास है।'

महाराष्ट्र को भाजपा राष्ट्रपति शाषण की ओर

ढकेल मोदी और शाह जी की जोड़ी के जरिये दिल्ली से महाराष्ट्र की सत्ता की बागडोर चलाना चाहती है।

बता दें कि राज्य में अब पिछली विधानसभा के कार्यकाल खत्म होने की उलटी गिनती चालू है, जो 9 नवंबर (शनिवार) को खत्म हो जाएगी। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों के लिए गठबंधन बनाने की कोशिशों के लिए सिर्फ एक दिन ही बाकी रह जाता है। यूं तो शिवसेना और बीजेपी के बीच चुनाव से पहले ही गठबंधन हो चुका था लेकिन सेना ने चुनाव के बाद भी बीजेपी को लेकर तल्ख तेवर नरम नहीं किए हैं, जिससे दोनों के रिश्ते डगमगाते दिख रहे हैं।

राज्य में किसी दल को बहुमत नहीं मिला है, लेकिन सबसे बड़ा दल होने के नाते बीजेपी को सरकार गठन के लिए राज्यपाल को पत्र देना चाहिए, या राज्यपाल को ऐसी स्थिति में बीजेपी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करना चाहिए। अगर 9 नवंबर तक कोई दल सरकार नहीं बना पाता तो ऐसी स्थिति में राज्यपाल विधानसभा को 'सस्पेंडेड अनिमेशन' में रख सकते हैं। विधानसभा कब तक निलंबित रहेगी यह राज्यपाल के विवेक पर निर्भर है। दूसरे यदि सभी दलों ने सरकार गठन से इनकार कर दिया हो, तब राज्यपाल राष्ट्रपति को रिपोर्ट भेज कर राज्य में अनुच्छेद 356 के तहत राष्ट्रपति शासन की सिफारिश करते हैं।

घोटाले के चलते वृद्ध की मौत,

पीएमसी बैंक में जमा थे 22 लाख रुपये

मुंबई। कशेली स्थित पंजाब महाराष्ट्र कोऑपरेटिव बैंक (पीएमसी) में 22 लाख रुपये जमा होने के बावजूद 75 वर्षीय ऐंड्रो लोबो अपने इलाज के लिए रुपये नहीं निकाल पाए और उनकी मौत हो गई। ऐंड्रो लोबो (74) एवं उनकी पत्नी हिल्डा लोबो (69) की कोई संतान नहीं है। ऐंड्रो लोबो प्रिंटिंग रोल लेथ मशीन का व्यवसाय करते थे।

इस उम्र में काम न मिल पाने की वजह से उन्होंने पवई स्थित अपनी फैक्ट्री एवं मुलुंड स्थित फ्लैट बेच दिए और भिवंडी चले आए। उन्होंने कशेली ग्राम पंचायत स्थित एक इमारत में फ्लैट खरीद लिया। पति-पत्नी के नाम पर पीएमसी बैंक में 11-11 लाख रुपये फिक्स डिपॉजिट कर दिए, ताकि वृद्धावस्था में ब्याज से उनका घर खर्च चलता रहे। इसी बीच, पीएमसी बैंक घोटाला हो गया। पीएमसी बैंक घोटाले से लोबो दंपती की हालत खराब हो गई। इस बीच ऐंड्रो बीमार हो गए और उनके इलाज में काफी रुपया लग रहा था। इलाज के लिए बैंक से पर्याप्त रुपया नहीं मिल पाया, तो उनकी तबियत बिगड़ती चली गई। रुपये न होने के कारण ऐंड्रो की पत्नी उन्हें अस्पताल नहीं ले जा सकीं। हिल्डा लोबो ने बताया कि अगर उन्हें बैंक से रुपये मिल जाते तो आज उनके पति जिंदा होते।

सस्ते में बेच रहा था गोल्ड पुलिस ने दबोचा

मुंबई। दहिसर क्राइम ब्रांच ने दीपक सिंह नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जो गोल्ड का भाव मार्केट में कम बताकर जूलरों को ठगता था। सीनियर इंस्पेक्टर सागर शिवलकर ने एनबीटी को बताया कि गिरफ्तार आरोपी चेंबूर का रहने वाला है। इस केस में उसका एक साथी वॉन्टेड है।

दीपक की गिरफ्तारी दहिसर के एक सुनार की शिकायत पर हुई। यह सुनार झवेरी बाजार से जूलरों से गोल्ड लेता है। फिर आभूषण बनाकर उन्हें देता है। दिवाली से पहले वहीं पर दो लोग उससे मिले। उन्होंने उससे कहा कि वे उसे 30 हजार रुपये प्रति दस ग्राम पर गोल्ड बेच सकते हैं, यदि वह उनसे 2 किलो सोना ले। सुनार ने उनसे कहा कि उसके पास फिलहाल रकम नहीं है। वह दिवाली के बाद इस बारे में सोचेगा।

5 नवंबर को उसके पास फिर दीपक का फोन आया कि यदि वह आज उससे गोल्ड लेगा, तो उससे दस ग्राम के 20 हजार रुपये के हिसाब से पेमेंट लेगा। उसने कहा कि यह स्कीम सिर्फ एक दिन के लिए ही है। इस पर सुनार को शक हुआ कि कहीं वह चोरी के गोल्ड तो नहीं बेच रहा। उसने दहिसर क्राइम ब्रांच में संपर्क किया। इसी के बाद लगाए गए ट्रैप में दीपक गिरफ्तार हुआ। पूछताछ में पता चला कि उसके खिलाफ नकली गोल्ड बेचने के दस से ज्यादा केस अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में दर्ज हैं।

मुंबई लोकलः 45 प्रतिशत महिलाएं स्टेशनों पर छेड़छाड़ की हुईं शिकार

मुंबई। भले ही मुंबई में परिवहन प्रणाली और महिलाओं की सुरक्षा अन्य शहरों के मुकाबले बेहतर है, लेकिन इतने से ही संतोष नहीं किया जा सकता। मुंबई रेल विकास निगम ने मार्केट सर्च इंडिया से महिला यात्रियों का जो सर्वे कराया, उसमें चौंकानेवाली जानकारियां मिली हैं। पश्चिम रेलवे में विरार से डहाणू और मध्य रेलवे में नेरल से कर्जत स्टेशनों के बीच कराए गए इस सर्वे में यात्रा करने वाली 45 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि वे किसी न किसी तरीके से पुरुषों की छेड़छाड़ का शिकार होती हैं। सर्वे में 18-25, 26-40 और 41 से बड़ी उम्र की महिलाओं से सवाल पूछे गए थे।

महिलाओं को स्टेशनों पर अनाउंसमेंट और प्लैटफॉर्म इंडिकेटर्स के बारे में जब पूछा गया, तो सकारात्मक उत्तर सामने आए। पश्चिम रेलवे की 68 प्रतिशत और मध्य रेलवे की 94 प्रतिशत महिलाओं ने अनाउंसमेंट को लेकर संतोष जाहिर किया। मध्य रेलवे की 54% महिलाओं ने बताया कि नेरल से कर्जत के बीच शौचालयों की स्थिति ठीक है, लेकिन विरार से डहाणू के बीच यात्रा करने वाली 88% महिलाएं शौचालयों की स्थिति से नाखुश हैं। इन दोनों रूट्स पर शत-प्रतिशत महिलाओं ने अपने डिब्बों से शौचालय की दूरी को लेकर नेगेटिव नंबर दिए हैं। मध्य रेलवे में यात्रा करनेवाली 95 प्रतिशत और पश्चिम रेलवे में यात्रा करनेवाली 97 प्रतिशत महिलाओं ने बताया कि स्टेशनों के बाहर प्रवेश-और निकास द्वारों पर इतनी भीड़ होती है कि छेड़खानी की घटनाएं बड़ी आसानी से अंजाम दे दी जाती हैं। लगभग सभी लोकल रेलवे स्टेशनों के बाहर यही हाल है। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद मुंबई के स्टेशनों के बाहर का 100 मीटर का क्षेत्र अभी भी खाली नहीं हुआ है। सर्वे के अनुसार 45 प्रतिशत महिला यात्रियों के साथ स्टेशन और आस-पास के क्षेत्रों में छेड़छाड़ हुई है, लेकिन आश्चर्य की बात कि इनमें से एक-चौथाई महिलाएं भी शिकायत दर्ज कराने पुलिस स्टेशन नहीं गईं। इनमें से आधी महिलाओं को हेल्पलाइन के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9769659975**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

महाराष्ट्रः विधायकों को होटल ले जाने से पहले उद्धव ने बांधी बीजेपी की आस

मुंबई। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री के सवाल पर बीजेपी-शिव सेना के संबंधों में आई तल्खी भले अभी खत्म होती न दिख रही हो। लेकिन गुरुवार को शिव सेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने बीजेपी को कुछ उम्मीद के संकेत जरूर दिए हैं। राज्य में अब पिछली विधानसभा के कार्यकाल खत्म होने की उलटी गिनती चालू है, जो 9 नवंबर (शनिवार) को खत्म हो जाएगी।

इससे पहले गुरुवार को राज्य में बीजेपी और शिव सेना दोनों ही अपनी-अपनी चालें चलती दिखीं। राज्य में बीजेपी के अध्यक्ष चंद्रकांत पाटील ने भले ही गवर्नर भगत सिंह कोश्यारी से मुलाकात भले की लेकिन पार्टी की ओर से सरकार बनाने का दावा अभी तक नहीं किया गया है। इस बैठक के बाद गवर्नर कोश्यारी ने नई सरकार के गठन की स्थिति साफ न होती देख राज्य के महाधिवक्ता आशुतोष कुंभाकोनी ने कानूनी और संवैधानिक विमर्श भी किया।

इस बीच राजभवन से दूर शिव सेना अपने विधायकों संग पार्टी अध्यक्ष उद्धव

ठाकरे से उनके निवास स्थान पर अपनी आगे की रणनीति पर चर्चा कर रही थी। इस बैठक के बाद शिव सेना के सभी विधायकों को दोपहर में रंगशारदा होटल में ले जाया गया। अब इन विधायकों के शनिवार शाम तक इसी होटल में ठहरने के कयास लगाए जा रहे हैं।

इस बीच रिपोर्ट्स की मानें तो बीजेपी को उद्धव ठाकरे के इस बयान से थोड़ी राहत जरूर मिल रही है, जिसमें उन्होंने अपने विधायकों से कहा, 'हम बीजेपी से अपना गठबंधन तोड़ना नहीं चाहते हैं लेकिन इस पर बीजेपी को ही निर्णय लेना है।' उद्धव ने यहां '50:50' फॉम्यूर्ला की अपनी बात को दोहराते हुए कहा कि चुनाव से पहले दोनों पार्टियों के बीच बराबर-बराबर के फॉम्यूर्ला पर सहमति बनी थी। ठाकरे ने एक बार फिर संकेत दिए कि सेना अपनी उसी मांग पर अडिग है कि दोनों पार्टियों की ओर से सीएम 2.5-2.5 साल रहेंगे।

चुनाव पहले विधानसभा चुनावों में अपना गठबंधन बनाकर लड़ी बीजेपी और शिव सेना दोनों ही अकेले अपने दम पर सरकार नहीं बना सकती हैं। 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में बीजेपी को सबसे ज्यादा 105 और शिव सेना को 56 सीटें हासिल हुई हैं। ऐसे में दोनों ही पार्टी बहुमत के जरूरी आंकडे. 145 से बहुत दूर खड़ी हैं। लेकिन अभी तक दोनों ही साथ मिलकर सत्ता में आने के लिए तैयार नहीं दिख रही हैं। इससे पहले गुरुवार शाम को ऐसी भी खबरें आई थीं कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आरएसएस के वरिष्ठ कार्यकर्ता के हाथो उद्धव को अपना संदेश भिजवाया है कि वह बीजेपी-नेतृत्व के तहत 'युती' को स्वीकार करें और राज्य में मची राजनैतिक अनिश्चितता का अंत करें। सूत्रों के मुताबिक, इस बीच हिंदुत्व विचारधारा वाले संभाजी भिड़े भी उद्धव से मिलने के लिए मातोश्री पहुंचे और उन्होंने भी इस गतिरोध को खत्म करने का प्रयास किया। लेकिन उद्धव से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई। गुरुवार दोपहर मातोश्री में आयोजित हुई शिव सेना की बैठक में 64 विधायकों ने हिस्सा लिया, जिनमें 56 शिव सेना के थे और 8 अन्य वे विधायक थे, जो शिव सेना को सपॉर्ट कर रहे हैं। उद्धव ने कहा, 'अगर बीजेपी यह निर्णय ले लेती है कि वह हमारे साथ लोकसभा चुनाव के दौरान हुए समझौते के तहत आगे बढ़ने को तैयार है, तो उसके नेताओं को मुझे कॉल करनी चाहिए और इसके बाद हम आगे की चर्चा के लिए साथ मिलकर बैठ सकते हैं। शिव सेना के सभी विधायकों ने सरकार बनाने या न बनाने का अंतिम निर्णय एक स्वर में उद्धव ठाकरे पर ही छोड़ा है। शिव सेना के एमएलए सुनील प्रभु ने कहा, 'अंतिम निर्णय उद्धव जी का ही होगा।'

महाराष्ट्र को 'नैतिक रूप से भ्रष्ट' बीजेपी से बचाना होगाः कांग्रेस

मुंबई। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को पूछा कि महायुति के घटक दल शिवसेना को इस बात का डर लगता है कि सहयोगी दल बीजेपी उसके विधायकों को 'खरीदेगी' तो क्या उसके पास महाराष्ट्र में सरकार गठन का नैतिक अधिकार है? अन्य प्रमुख विपक्षी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने दावा किया कि विधायकों को खेमा बदलने के लिए प्रलोभन दिए गए हैं। कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने एक ट्वीट किया, 'शिवसेना, बीजेपी की गठबंधन सहयोगी और महायुति का हिस्सा है। अगर उसे डर लगता है कि बीजेपी उनके विधायकों को खरीदेगी तो हम बहुत अच्छी तरह समझ सकते हैं कि बीजेपी नैतिक रूप से कितनी भ्रष्ट है और क्यों हमें महाराष्ट्र को उनसे बचाना चाहिए।'

सावंत ने ट्वीट किया, 'क्या महायुति के पास अब सरकार बनाने का नैतिक अधिकार है? वह राजनीतिक अनिश्चितता के बीच शिवसेना के अपने विधायकों को बांद्रा उपगनर के रंगशारदा होटल में ठहराने के फैसले का जिक्र कर रहे थे। बीजेपी और शिवसेना ने हाल ही में संपन्न राज्य विधानसभा चुनाव अन्य छोटे सहयोगियों के साथ महायुति (महागठबंधन) के तौर पर लड़ा था। लेकिन बीजेपी और शिवसेना की राज्य में सरकार बनाने की राह आसान होने के बावजूद दोनों दल मुख्यमंत्री के पद को लेकर उलझे हुए हैं।

बीजेपी के करीबी कुछ निर्दलीय नेताओं ने दावा किया कि शिवसेना विधायकों का एक वर्ग मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के संपर्क में है। बीजेपी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय झा ने कहा, 'लेकिन उन्हें दिए पैसों को देखते हुए बीजेपी को मालदीव, बहामास, बरमूडा और पटाया पर भी विचार करना चाहिए।' बीजेपी का नाम लिए बगैर राकांपा की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख जयंत पाटील ने यह भी दावा किया कि कुछ विधायकों को लालच दिया गया है।

बुजुर्ग कैंसर मरीज बनीं 'सिंघम', हैंडबैग लेकर भाग रहे चोर को दौड़ाकर पकड़ा

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई की रहने वाली मुग्धा गोले ने कुछ ही दिनों पहले कैंसर की सर्जरी कराई थी। इस वजह से उनका उठना-बैठना थोड़ा मुश्किल होता था लेकिन बीते दिनों महालक्ष्मी एक्सप्रेस में जब वह अपने पति के साथ यात्रा कर रही थीं, तब किसी चोर ने उनका हैंडबैग लेकर भागने की कोशिश की। मुग्धा ने न सिर्फ चोर का पीछा कर उसे धर दबोचा बल्कि उसकी पिटाई भी की और उसे खींचकर ट्रेन के कोच तक लेकर आईं।

घटना मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस की है। मुग्धा

के पति अवधूत ने बताया कि उन दोनों ने अपने-अपने बैग्स ट्रेन के बी2 कोच में रखे। इसके बाद मुग्धा वॉशरूम चली गईं। अचानक एक शख्स उनके पास आया और खुद को अनपढ़ बताते हुए बी1 कोच के बारे में पूछने लगा। अवधूत ने बताया कि जब वह उनसे बात कर रहा था तभी उसका एक साथी मुग्धा का हैंडबैग लेकर भागने लगा लेकिन जैसे ही चोर दरवाजे के पास पहुंचा मुग्धा ने उसे पकड़ लिया।

मुग्धा के पूछने पर आरोपी ने बताया कि उनका (मुग्धा का) बैग उनकी सीट पर है और वह उसका बैग है। मुग्धा को जब पता चला कि वह चोर है और उसका बैग चुराने की कोशिश कर रहा है तब उसने उसके हाथ से अपना बैग छीनने की कोशिश की लेकिन चोर बैग के साथ भागने में कामयाब रहा। अवधूत ने बताया कि इसके बाद मुग्धा अपनी सीट पर लौट आईं। थोड़ी देर बाद उन्होंने चोर को ढूंढने का फैसला किया।

बैंक रिकवरी एजेंट से परेशान होकर कारोबारी ने की खुदकुशी

मुंबई। दहिसर स्थित कांदरपाडा में 40 वर्षीय एक व्यक्ति ने गुरुवार सुबह करीब सवा सात बजे अपने घर में आत्महत्या कर ली। एमएचबी पुलिस के मुताबिक, मृतक का नाम अमोल वैती है। वह मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। शायद इस वजह से उसने घटना को अंजाम दिया होगा। इस संबंध में एडीआर दर्ज कर पुलिस घटना की जांच कर रही है।

एमएचबी पुलिस सूत्रों के मुताबिक, रियल इस्टेट का कारोबार करने वाला अमोल पिछले कई वर्षों से विभिन्न बैंकों से लोन ले रखा था। सोशल मीडिया में वायरल हो रहे मेसेज के अनुसार, भारी लोन की राशि से अमोल परेशान था। उसको कारोबार में घाटा हो रहा था। इस वजह से वह न तो बैंक का लोन और न ही क्रेडिट कार्ड का किस्त चुका पा रहा था। इससे तंग आकर उसने अपने घर में सिलिंग फैन में कपड़े का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया।

हालांकि, वायरल मेसेज में अमोल के हवाले से कहा जा रहा है कि वह बैंक लोन वसूली करने वाले एजेंटों की बदसलूकी से भी परेशान था। मेसेज में उसने एक प्रतिष्ठित निजी बैंक के क्रेडिट कार्ड के किस्त का रकम वसूलने वाले एजेंट निखिल विश्वकर्मा की बदसलूकी से परेशान हूं। उसने निखिल पर आरोप लगाते हुए मेसेज लिखा है कि वह घर पर आकर मेरे परिवार वालों के सामने मुझसे गाली-गलौज किया करता था। निखिल पर उसने डराने-धमकाते का भी आरोप लगाया। उसने निखिल पर आत्महत्या करने के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से उसके खिलाफ कार्रवाई करने की अपील करते हुए जिंदगी खत्म करने की बात लिखी थी। मुंबई पुलिस के प्रवक्ता प्रणय अशोक ने बताया कि पुलिस ने एडीआर दर्ज कर लिया है। पुलिस घटना की हर पहलू से जांच कर रही है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पाक की चाल

करतारपुर गलियारा खोले जाने से पहले पाकिस्तान ने जिस तरह का वीडियो जारी किया है, उससे साफ हो जाता है कि सदाशयता की आड़ में उसका मुख्य उद्देश्य क्या है। उसके साथ एक वीडियो भारत ने भी जारी किया है। पाकिस्तान के वीडिया में जरनैल सिंह भिंडरावाले, शाहबेग सिंह समेत तीन सिख अलगाववादी नेता नजर आ रहे हैं। जैसा हम जानते हैं कि ये सब पंजाब में जारी खालिस्तानी आतंकवाद के प्रमुख चेहरे थे। इन्होंने अमृतसर स्वर्ण मंदिर के पवित्र अकाल तख्त तक पर कब्जा जमा लिया था। जून, 1984 में ऑपरेशन ब्लूस्टार के नाम से सैन्य कार्रवाई हुई जिसमें ये मारे गए थे। इस समय वीडियो में उनकी तस्वीरें डालने का सीधा उद्देश्य सिखों को उकसा कर फिर से अलगाववाद भड़काना है। वीडियो में सिख फॉर जस्टिस का पोस्टर भी पाकिस्तान की कुटिल चाल को साफ कर देता है। यह एक प्रतिबंधित संगठन है, जो पंजाब को भारत से अलग करने के लिए काम करता है तथा अभी सिख जनमत संग्रह 2020 के लिए अभियान चला रहा है। दूसरी ओर, भारत के वीडियो में गुरु नानक देव की महानता की चर्चा के साथ यह बताया गया है कि नया गलियारा किस तरह श्रद्धालुओं के लिए लंबी दूरी को एकदम कम कर देगा। वीडियो का अंतर बता देता है कि हमारे लिए इसके क्या मायने हैं, और उनके लिए क्या। गुरु नानक देव ने जहां जन्म लिया और जीवन के अंतिम 18 वर्ष बिताकर शरीर त्यागा उसका धार्मिक महत्त्व एक-एक सिख एवं हिंदू के लिए है। करतारपुर गलियारा भारतीय पंजाब के गुरु दासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक साहिब को पाकिस्तानी पंजाब के नारोवाल जिले के करतारपुर साहिब गुरु द्वारे को जोड़ेगा। किंतु पाकिस्तान के रवैये से साफ है कि इसके माध्यम से वह पंजाब में अलगाववादी हिंसा को फिर से सुलगाने की हर संभव कोशिश करेगा। वहां खालिस्तान के पक्ष में प्रचार सामग्रियां बांटी जा सकती हैं, प्रवचन हो सकते हैं तथा युवाओं को प्रभावित करने की कोशिश होगी। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह का कहना सही है कि पाकिस्तान गंदी चाल चल रहा है, और हमें सतर्क रहना होगा। साफ है कि अगर श्रद्धालुओं के लिए करतारपुर साहिब पहुंचना सुगम हुआ है, तो चुनौतियां भी बढ़ी हैं। भारत को श्रद्धालुओं को पाकिस्तान की चालों से सतर्क करते रहना होगा और जितना संभव हो सुरक्षा सख्ती भी कायम रखनी होगी।

यह कैसा एकीकरण!

मोदी सरकार ने बहत्तर साल के इतिहास को पलट दिया। सरदार पटेल के 144वें जन्म दिन पर उस जम्मू-कश्मीर के टुकड़े कर दिए। उसका राज्य का दरजा छीन लिया जिसे भारतीय संघ के अन्य राज्यों से भी ज्यादा स्वायत्तता देने के पवित्र वादे के साथ भारतीय संघ में शामिल करते समय दिया गया था। अक्टूबर की आखिरी तारीख को लद्दाख तथा जम्मू-कश्मीर के नये उपराज्यपाल के पद पर क्रमशः आर के माथुर तथा गिरीश चंद्र मुर्मू को जम्मू-कश्मीर हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल द्वारा शपथ दिलाए जाने के साथ ही भारतीय संघ ने औपचारिक रूप से जम्मू-कश्मीर से किए गए उक्त पवित्र वादे से मुकरने का ऐलान कर दिया।अचरज नहीं कि खुद जम्मू-कश्मीर में जिस तरह से इसका औपचारिक ऐलान हुआ है, उसने बहत्तर साल पहले हुए देश के विभाजन की याद दिला दी। किन वाकई इसे इतिहास निर्माण कहा जा सकता है, तो यह इतिहास निर्माण एक माने में बहत्तर साल पहले अंगरेजी राज के हाथों कराए हुए इतिहास निर्माण से भी ज्यादा निरंकुश तरीके से हुआ। बेशक, 1947 के विभाजन में जनता खास तौर पर विभाजन से सीधे-सीधे प्रभावित होने वाले राज्यों की जनता की शायद ही कोई राय शामिल थी।

लेकिन बहत्तर साल बाद अब हो रहे इतिहास निर्माण में जम्मू-कश्मीर की जनता की राय से 'मुक्ति' को मुकम्मल ही बना दिया गया। सारे फैसले दिल्ली ने ही किए। इनमें सबसे बढ़कर यह फैसला शामिल है कि विभाजन के बाद बने दो केंद्रशासित प्रदेशों में तमाम महत्त्वपूर्ण फैसले अब केंद्र सरकार ही लेगी। अचरज नहीं कि दिल्ली के ही निर्देश पर जहां शेष सारे देश में इस 'इतिहास निर्माण' का उत्सव सुरक्षा बलों पर केंद्रित बहुत ही तड़क-भड़क भरे आयोजनों के साथ 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया गया, वहीं खुद लद्दाख तथा जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपालों का शपथ ग्रहण तक बिना जरा भी शोर-शराबे के निपटाया गया। लोगों के भड़कने का डर जो था। कश्मीर की घाटी ने तो खैर मुकम्मल लॉकडॉउन तथा बंद के जरिए इस 'इतिहास निर्माण' का एक तरह से बॉयकाट किया ही जिसे अनेक जानकारों ने एक प्रकार के जन नागरिक अवज्ञा आंदोलन का नाम देना शुरू कर दिया है।

इसके अलावा, लद्दाख में इसे लेकर लोगों के मन में आशंकाएं ही ज्यादा थीं, उम्मीदें कम। वास्तव में मुस्लिम बहुल करगिल ने तो इसके खिलाफ जोरदार तरीके से विरोध भी दर्ज कराया। सच तो यह है कि इस कथित 'इतिहास-निर्माण' ने एक काम जरूर किया है कि उसने हिंदू बहुल जम्मू को मुस्लिम बहुल कश्मीर के खिलाफ और बौद्ध बहुल लेह-लद्दाख को मुस्लिम बहुल करगिल के खिलाफ ऐसे खड़ा कर दिया है जैसा

आतंकवादियों की सारी कोशिशों के बावजूद इससे पहले कभी नहीं हुआ था। इस बंटवारे की गहराई को समझने के लिए सिर्फ एक उदाहरण काफी होगा। श्रीनगर में नवनियुक्त उपराज्यपाल के शपथ ग्रहण समारोह में जम्मू के चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष राकेश गुप्ता तो शरीक हुए लेकिन उनके कश्मीर के समकक्ष शेख आशिक को आमंत्रित ही नहीं किया गया। शेख आशिक का कहना था : 'एक कश्मीरी के नाते और केसीसीआई के अध्यक्ष के नाते मैं सिर्फ एक बात कहना चाहता हूं कि उनका कहना है कि आज इतिहास रचा जा रहा है..लेकिन यहां जमीनी सतह पर पूरी तरह से शटडॉउन है। दूकानें बंद हैं। सड़कों पर कोई आवाजाही नहीं है। उनके फैसले पर हर कश्मीरी की यही प्रतिक्रिया है..मुझे लगता है कि सभी मायूस हैं।'

याद रहे कि जिस रोज 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के नाम से शेष देश भर में सरकारी तौर पर सरदार पटेल का जन्म दिन मनाया जा रहा था, वह कश्मीर में करीब-करीब मुकम्मल लॉकडॉउन का 88वां दिन था। बेशक, इस लॉकडाउन में इन तीन महीनों में पहले लैंडलाइन फोन व आगे चलकर काफी हद तक पोस्टपेड सैल फोन सेवाएं बहाल करने जैसी मामूली ढील भी दी गई। इसी प्रकार, घाटी के सभी प्रमुख राजनीतिक नेताओं को कैद या नजरबंदी में रखते हुए भी माफीनामे लिखवाने के साथ मध्यम स्तर के कुछ कार्यकर्ताओं की रिहाई भी शुरू की गई है। इसके बावजूद सरकार के 'सब कुछ सामान्य है' के दावों के विपरीत घाटी में कुछ भी सामान्य नहीं हुआ है। उल्टे, कश्मीरियों ने जैसे खुद ही अपने आप को दरवाजों के पीछे बंद कर लिया है। यहां तक कि सरकार के स्कूल खुलवाने के सारे दबाव और परीक्षाएं कराने जैसी तिकड़मों के बावजूद स्कूलों में बच्चे नहीं पहुंच रहे हैं। इसी प्रकार एक प्रकार के अघोषित नागरिक कर्फ्यू के तहत बाजार कमोबेश बंद हैं। सड़कों पर इक्का-दुक्का ही लोग निकलते हैं। पर्यटकों के लिए कश्मीर के खोले जाने के बावजूद पर्यटन पूरी तरह से ठप है। ऐसा ही किस्सा सेब की फसल की मंडी में आवक का है।

जिंदा रहने की जरूरतों की अपरिहार्यताओं के चलते इस लॉकडाउन में अगर इस लंबे अर्से में थोड़ी ढील आई भी थी, जैसे जरूरत की चीजों की दूकानों का सुबह एकाध घंटे के लिए खुलना भी शुरू हुआ था, तो उसे भी दो दर्जन छंटे-छंटाए दक्षिणपंथी, इस्लामविरोधी यूरोपीय सांसदों के कश्मीर दौरे की मोदी सरकार की जनसंपर्क कसरत ने पीछे धकेल दिया। इस तिकड़म के सामने कश्मीरियों ने खुद को और भी बंद कर लिया। इसी मुकम्मल बंद से जम्मू-कश्मीर के केंद्रशासित प्रदेश बनने का स्वागत किया! बेशक, यह तमाम सचाई भी नरेन्द्र मोदी को दावा करने से रोक नहीं पाई है कि उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर के लिए 'नई सुबह' ले आई है। जिस कदम के लिए एक समूचे राज्य को महीनों के लिए कैद करना पड़ा हो और कोई नहीं जानता कि यह स्थिति कब तक चलेगी, उसे उन्होंने एक बार फिर संबंधित राज्य की 'आजादी' बताया है।

फिर भी सरदार पटेल के जन्म दिन पर राष्ट्रीय एकता दिवस के पालन के हिस्से के तौर पर जिस तरह जम्मू-कश्मीर की जनता से किए गए पवित्र वादे को तोड़ने का औपचारिक ऐलान किया गया है, वह प्रचार के जरिए झूठ को सच बनाने की गोयबल्सीय तिकड़म पर मोदी सरकार के विास को ही दिखाता है। लेकिन आरएसएस के विपरीत, आजादी की लड़ाई के बीच से राष्ट्रीय एकता का निर्माण करने वाली धारा के अग्रणी नेताओं में रहे सरदार पटेल, राष्ट्रीय एकता और राष्ट्र की सुरक्षा के अंतर को भली-भांति पहचानते थे। इसीलिए उन्हें राष्ट्रीय एकता के लिए जम्मू-कश्मीर की जनता को भारतीय संघ में अधिकतम स्वायत्तता का आश्वासन देना जरूरी भी लगा और उपयोगी भी। मोदी सरकार उनके नाम पर चाहे सबसे ऊंची प्रतिमा बनवा दे, पर उनसे ठीक उल्टे रास्ते पर चल रही है।

योग

योग का एक पहलू यह भी है कि उन कामों को चेतन या स्वैच्छिक कार्य में बदला जाए जो हमारे अंदर अपने आप चलते रहते हैं यानी वे कार्य जिन्हें हम अपनी इच्छा से चला या रोक नहीं पाते। आप का सांस लेना-छोड़ना, हृदय धड़कना, लिवर का काम करना आदि - ये सब अनैच्छिक अथवा स्वतः चलने वाले कार्य हैं। जो भी हमारी शारीरिक व्यवस्था के लिए महत्त्वपूर्ण है, वह सब अनैच्छिक है, स्वतः चलता है, क्योंकि प्रकृति को आप पर विास नहीं था। अगर आप के महत्त्वपूर्ण शारीरिक अंग आप की इच्छा के अनुसार काम करते, तो आप उनके साथ कुछ पागलपन कर सकते थे। क्या आपने ऐसे लोगों को देखा है जो आदत से मजबूर होकर की जाने वाली मानसिक गतिविधि की अवस्था में होते हैं? उनकी उंगलियां और हाथ भी अनैच्छिक रूप से गतिशील होते हैं, हिलते-डुलते रहते हैं। युवा पीढ़ी में आजकल ये बहुत अधिक हो रहा है। उनके हाथ, बिना उनकी आज्ञा के अपने आप हिलते रहते हैं। लेकिन जैसे-जैसे आप ज्यादा जागरूक होते जाते हैं, तो शरीर के वे भाग जो अभी अनैच्छिक हैं, वे सब स्वाभाविक रूप से आपकी इच्छा के नियंतण्रमें आते जाते हैं। क्योंकि अगर आप ज्यादा जागरूक हैं, चेतनामय हैं, सब कुछ होशपूर्वक करते हैं, तो प्रकृति भी आप पर विास करेगी-'वो काफी जागरूक है, हम उसे थोड़ी और जिम्मेदारी दे सकते हैं'। जब कोई बात आपके लिए ऐच्छिक हो जाती है तब आप उसे अपनी इच्छानुसार कर सकते हैं। लोग अपने स्वयं के बारे में भी कुछ जान नहीं पाते, इसका कारण यही है कि बहुत सारी व्यर्थ गतिविधियां, बहुत सारी अनैच्छिक गतिविधियां उनकी शारीरिक व्यवस्था के अंदर चलती हैं। अगर आप अपनी व्यवस्था के बारे में कुछ नहीं देखते, कुछ नहीं जानते तो यह योग नहीं है। सम्पूर्ण योग न तो स्वर्ग से आया है, न ही किसी शास्त्र से और न ही किसी धार्मिक पढ़ाई या शिक्षण से। यह आया है मानवीय सिस्टम को ठीक ढंग से देखने से, उसके बारे में गहरी समझ होने से।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, शनिवार
9 नवंबर, 2019

कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार का भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप

बोले–शिवसेना विधायकों को ऑफर हुए 50–50 करोड़

मुंबई। राज्य में जारी सत्ता निर्माण की उठापठक के बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष विजय वडेट्टीवार ने भारतीय जनता पार्टी पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि शिवसेना विधायकों को खरीदने के लिए भाजपा की ओर से 50-50 करोड़ रुपए का ऑफर किया गया है। वे लगातार शिवसेना विधायकों को लालच दे रहे हैं। इसलिए शिवसेना ने अपने विधायकों को होटल में रखा है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि भाजपा के नेताओं ने कुछ कांग्रेस विधायकों से भी फोन के मध्यम से संपर्क किया था। कांग्रेस नेता ने आगे कहा-हमने अपने विधायकों से कहा है कि यदि भारतीय जनता पार्टी द्वारा किसी को प्रलोभन देने के लिए कॉल किया जाता है, तोवे सभी फोन टैप करें, उनके खिलाफ सबूत इकट्ठा करें और उन्हें उजागर करें। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि हमारे विधायक राज्य में सुरक्षित हैं और किसी को जयपुर नहीं भेजा गया है। जो

विधायक जयपुर गए हैं, वे व्यक्तिगत रूप से अपने परिवार के सदस्यों के साथ पर गए हैं। चूंकि हर कोई चुनाव की अवधि के दौरान थक गया था, हो सकता है कि वह परिवार के साथ वहां घूमने गया हो। इस खरीद फरोख्त से बचने के लिए शुक्रवार दोपहर वडेट्टीवार के घर पर कांग्रेस विधायकों की बैठक बुलाई गई है। सूत्रों के मुताबिक, इस बैठक के बाद 15 से 20 विधायकों को जयपुर भेजा जा सकता है। राजस्थान में कांग्रेस की सरकार है। विधायकों की खरीद-फरोख्त पर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य हुसैन दलवई ने कहा कि सभी कांग्रेस विधायक एकजुट हैं। कोई भी विधायक पार्टी से अलग नहीं होगा। पार्टी हाईकमान के आदेश का विधायक पालन करेंगे। हम बीजेपी को राज्य में सरकार बनाने नहीं देंगे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) हमारी सहयोगी है, वे हमारे साथ हैं। महाराष्ट्र को बचाने के लिए लोगों ने हमें वोट दिया है।

भाजपा ने कहा-सबूत सामने रखो: इस आरोपी पर भाजपा के नेता राम शिंदे ने कहा-कांग्रेस और एनसीपी के नेता पांच साल तक हम पर आरोप लगाते रहे, लेकिन सबूत के नाम पर कुछ भी नहीं था उनके पास। अगर उनके आपस कोई सबूत है, जैसे किसने कहा, किसे फोन किया और कोई रिकॉर्डिंग तो उन्हें मीडिया के सामने रखना चाहिए।

महाराष्ट्र के पूर्व डीजीपी अरविन्द इनामदार का निधन

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक अरविंद इनामदार का शुक्रवार को मुंबई के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। यह जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि इनामदार (79) का पिछले हफ्ते से अस्पताल में इलाज चल रहा था। शुक्रवार को देर रात दो बजकर करीब बीस मिनट पर उन्होंने अंतिम सांस ली। इनामदार को जुलाई 1994 के सनसनीखेज जलगांव सेक्स प्रकरण और मानव तस्करी मामले में अपनी जांच के लिए जाना जाता है। उन्होंने अक्टूबर 1997 से जनवरी 2000 के बीच पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्य किया। इनामदार ने साल 1983 में शहर को अपराध से निजात दिलाने वाले मुठभेड़ विशेषज्ञ पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया था जिन्होंने संगठित अपराध को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई थी। अधिकारी ने बताया कि पिछले कुछ सालों से इनामदार अपने 'अरविंद इनामदार फाउंडेशन' के माध्यम से सभी रैंकों के सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया करते थे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

फडणवीस का इस्तीफा

फडणवीस ने इस्तीफे के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा- ढाई-ढाई साल मुख्यमंत्री रहने के मुद्दे पर मेरे सामने कभी शिवसेना से बातचीत नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बातचीत विफल होने के लिए शिवसेना ही सौ फीसदी जिम्मेदार है। पिछले 10 दिनों में मोदीजी के खिलाफ जिस तरह की बयानबाजी हुई, वह असहनीय है। राउत ने कहा कि हमने कभी भी नरेंद्र मोदी या अमित शाह के खिलाफ व्यक्तिगत बयानबाजी नहीं की। 9 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। इससे पहले राज्य में सरकार का गठन जरूरी है। फडणवीस ने कहा- भाजपा-शिवसेना के गठबंधन को महाराष्ट्र की जनता ने बहुमत दिया। 160 से ज्यादा सीटें गठबंधन को मिलीं। भाजपा को 105 सीटें मिलीं। हमारा स्ट्राइक रेट 70% रहा है। दुर्भाग्य से हमें सीटें कुछ कम मिलीं। शिवसेना प्रमुख ठाकरे ने पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें उन्होंने कहा था कि हम सरकार बनाने को तैयार हैं। दोनों ही दलों के उम्मीदवार गठबंधन के उम्मीदवार के तौर पर चुनकर आए हैं। इसके बावजूद दूसरे पक्ष की तरफ से यह कहा गया कि हमारे पास सभी विकल्प खुले हैं। ऐसा क्यों कहा गया, ये समझ नहीं आता। उन्होंने कहा- ढाई साल (मुख्यमंत्री पद) का जो विषय है, मैं आज भी साफ तौर पर यह कहना चाहता हूं कि मेरे सामने कभी भी ढाई साल के मुद्दे पर चर्चा नहीं हुई। मेरे सामने ऐसा कोई निर्णय भी नहीं लिया गया था। उद्धव ठाकरे और हमारे पार्टी अध्यक्ष के बीच अगर ऐसी कोई चर्चा हुई हो, तो उसकी जानकारी मेरे पास नहीं है। फडणवीस ने स्पष्ट किया- अगर कोई गलतफहमी हुई है तो इस पर चर्चा हो सकती है, लेकिन हम चर्चा करेंगे ही नहीं, ये बातें कही जा रही हैं। मैंने कई बार बातचीत की कोशिश की। मैंने खुद उद्धवजी को कई बार फोन किया, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। फडणवीस ने कहा कि 5 साल महाराष्ट्र की सेवा करने का मौका मिला इसके लिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा का आभारी हूं। उन्होंने कहा कि आपको महसूस हुआ या नहीं, मैं नहीं जानता। लेकिन, मैं हमारे मित्र शिवसेना का भी आभारी हूं।

उद्धव ने कहा- गलत लोगों के साथ...

उद्धव ने कहा- भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के सामने 50-50 का फॉमूर्ला फाइनल हुआ था। शाह ने कहा था कि अभी तक जो हुआ सो हुआ, अब न्याय होगा। शाह ने कहा था कि हम पद और जिम्मेदारियां बराबर बांट लेंगे। शाह ने कहा था कि मैं मुख्यमंत्री पद का नहीं जिक्र करूंगा। उन्होंने यह जरूर कहा था कि 50-50 पर कब बोलना है, यह मैं तय करूंगा। शिवसेना अध्यक्ष ने कहा, 2019 लोकसभा चुनाव के बाद भी अमित शाह ने मुझसे पूछा था कि आप को कौन सा मंत्रालय चाहिए? मैंने कहा कि कोई अच्छा मंत्रालय दीजिए। उन्होंने मुझे वही मंत्रालय दिया, जो मैं नहीं चाहता था। हमने जिसका साथ दिया, उसको शत्रु बोलने की परंपरा शिवसेना की नहीं है। 2014 में भाजपा ने हमारा फायदा उठाया और मीठी-मीठी बातें कीं। उद्धव बोले- फडणवीस की जगह अगर कोई और मुख्यमंत्री होता तो शायद शिवसेना उनके साथ भी खड़ी नहीं होती। हमें उनसे कोई दिक्कत नहीं। कौन झूठ बोल रहा है, यह जनता को पता है। लोकसभा में जो हमें मेंडेट मिला था, विधानसभा में वक्त कम क्यों हो गया? यह भी सभी को पता है। उन्होंने कहा- चर्चा को लेकर हमने कभी दरवाजा बंद नहीं किया। बस मैं उनके झूठ से परेशान हूं। हमने सरकार को लेकर कांग्रेस से कभी चर्चा नहीं की। अहमद पटेल से मेरी नहीं, अमित शाह की पहचान है। हम डिप्टी सीएम के पद पर तैयार नहीं हैं। वादा मुख्यमंत्री का हुआ था तो मुख्यमंत्री ही मिलना चाहिए। आप महबूबा मुफ्ती, नीतीश कुमार जैसे लोगों के साथ सरकार चला सकते हैं और हमारे साथ सरकार चलाने में दिक्कत है।

एनईएफटी पर जनवरी 2020...

फास्टैग का इस्तेमाल अब पार्किंग शुल्क के भुगतान और पेट्रोल पंप पर भी किया जा सकेगा। आरबीआई ने बताया कि अक्टूबर 2018 से सितंबर 2019 तक नॉन कैश रिटेल पेमेंट में डिजिटल पेमेंट की 96% हिस्सेदारी रही। इस दौरान 252 करोड़ एनईएफटी और 874 करोड़ यूपीआई ट्रांजेक्शन हुए। आरबीआई ने जून में मौद्रिक नीति की समीक्षा के वक्त ही एनईएफटी के शुल्क खत्म करने का फैसला ले लिया था, लेकिन इसे अनिवार्य रूप से लागू करने की तारीख तय नहीं की थी। बैंक एनईएफटी ट्रांजेक्शन की वैल्यू के आधार पर 1 रुपए से 25 रुपए तक शुल्क लेते हैं। आईसीआईसीआई समेत कुछ बैंक इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल ऐप से एनईएफटी पर शुल्क नहीं लेते, सिर्फ ब्रांच से ट्रांजेक्शन पर चार्ज लगता है। एसबीआई ने भी जुलाई में नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और योनो के जरिए एनईएफटी पर शुल्क खत्म कर दिए थे। साथ ही ब्रांच से एनईएफटी पर चार्ज 20% तक घटा दिए थे।

रजनीकांत ने कहा- कुछ लोग मेरा भगवाकरण करने की कोशिश कर रहे

...लेकिन मैं इसमें नहीं फंसूंगा

फिल्म अभिनेता रजनीकांत ने शुक्रवार को कहा कि कुछ लोग मुझे भगवा रंग में रंगना चाहते हैं। तमिल कवि तिरुवल्लुवर के भी भगवाकरण की कोशिश की गई। लेकिन सच्चाई यह है कि न तो तिरुवल्लुवर और न ही मैं उनके जाल में फंसूंगा। अयोध्या मामले पर उन्होंने लोगों से कोर्ट के फैसले का सम्मान करने और शांति बनाए रखने की अपील की। बीते दिनों रजनीकांत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन में बयान दिया था। इसके बाद से भाजपा ने कहा कि तिरुवल्लुवर को भगवा चोला पहनाना भाजपा का एजेंडा है। कुछ लोग और मीडिया यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि मैं भाजपा का आदमी हूं। यह सच नहीं है। साथ देने पर ई भी राजनीतिक दल खुश होगा, लेकिन फैसला लेना मेरे ऊपर है। उधर, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव मुरलीधर राव के मुताबिक, हमने यह कभी नहीं कहा कि रजनीकांत पार्टी में शामिल हो रहे हैं या शामिल होना चाहते हैं। भाजपा को इन सब अटकलों में कोई दिलचस्पी नहीं है।

अयोध्या मामले पर रजनीकांत ने लोगों से कोर्ट के फैसले का सम्मान करने और शांति बनाए रखने की अपील की

खेमे से जोड़कर देखा जाने लगा। फिल्म अभिनेता कमल हासन और रजनीकांत ने चेन्नई में शुक्रवार को राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल के नए कार्यालय में दिवंगत फिल्म निर्देशक के. बालाचंदर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान रजनीकांत

हासन ने कहा- हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं

कमल हासन ने कहा कि एक समय में हम दोनों (मैं और रजनीकांत) ने फैसला किया था कि हम एक-दूसरे का सम्मान करेंगे। क्योंकि, हमारा मानना है कि हम दोनों के लिए भविष्य अच्छा होगा। आज भी हम एक-दूसरे का सम्मान, आलोचना और समर्थन करते हैं।

तिरुवल्लुवर की फोटो को लेकर विवाद हुआ था

कुछ दिनों पहले तमिलनाडु की भाजपा इकाई ने तिरुवल्लुवर की एक फोटो साझा की थी, जिसे लेकर काफी विरोध हुआ था। तस्वीर में उनकी मूर्ति को भगवा पोशाक पहनाया गया था। इसके अगले दिन कुछ लोगों ने उनकी मूर्ति पर गोबर फेंक दिया था, जिसके बाद काफी विवाद भी हुआ था। तिरुवल्लुवर तमिल कवि हैं, जो करीब 2050 साल पहले तमिलनाडु में रहते थे। उन्होंने तिरुक्कुरल नाम की किताब लिखी थी। यह तमिल भाषा के प्रतिष्ठित साहित्यों में से एक मानी जाती है।

'मोदी-शाह कृष्ण-अर्जुन जैसे'

रजनीकांत बीते दिनों उप राष्ट्रपति वेंकैया नायडू की किताब के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। तब उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह की तारीफ की थी। उन्होंने कहा था, मोदी और अमित शाह कृष्ण और अर्जुन की तरह हैं। हम नहीं जानते कि इसमें कृष्ण कौन है और अर्जुन कौन, ये केवल वे ही जानते हैं। उन्होंने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के केंद्र के फैसले का भी समर्थन किया था।

आर्थिक मामलों के पूर्व सचिव ने कहा...

2000 के नोटों की जमाखोरी हो रही, इन्हें भी बंद कर देना चाहिए

नोटबंदी के तीन साल पूरे होने पर आर्थिक मामलों के पूर्व सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने कहा है कि 2000 के नोटों का बड़ा हिस्सा सर्कुलेशन में नहीं है। इनकी जमाखोरी हो रही है, इन्हें बंद कर देना चाहिए। गर्ग के मुताबिक सिस्टम में काफी ज्यादा नकदी मौजूद है। 2000 के नोट बंद करने से कोई परेशानी नहीं होगी। गर्ग ने कहा कि दुनियाभर में डिजिटल पेमेंट का चलन बढ़ रहा है। भारत में भी ऐसा हो रहा है, हालांकि इसकी रफ्तार धीमी है। यहां 85% भुगतान कैश में हो रहे हैं। गर्ग ने सुझाव दिया कि बड़े कैश लेन-देन पर टैक्स या शुल्क लगाने, डिजिटल पेमेंट को आसान बनाने जैसे कदमों से देश को कैशलेस बनाने में मदद मिलेगी। कालेधन पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी का ऐलान किया था। उस वक्त 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए गए। इसके बदले 500 का नया नोट जारी किया था। सरकार ने 1000 का नोट पूरी तरह हटा लिया और पहली बार 2000 का नोट जारी किया था।

'दुनियाभर में डिजिटल पेमेंट बढ़ रहा, भारत में 85% भुगतान अब भी कैश में हो रहे'

पुनीत इस्सर के मेगा प्ले 'महाभारत' का शो अब ठाणे में जय हिन्द अभियान द्वारा किया जायेगा

मशहूर टीवी धारावाहिक महाभारत में दुर्योधन का किरदार निभाने वाले पुनीत इस्सर द्वारा लिखित और निर्देशित प्ले 'महाभारत' का अब मुंबई से सटे ठाणे में जय हिन्द अभियान द्वारा 23 नवम्बर को मंचन किया जायेगा। इस सिलसिले में मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया जहां खुद पुनीत इस्सर, गूफी पेंटल, जय हिन्द अभियान के संचालक श्री गोपाल सिंह, दीपक कुमार त्रिपाठी, करण शर्मा, दानिश अख्तर मौजूद थे। श्री गोपाल सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया कि जय हिन्द अभियान देश के क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा दिलवाने का प्रयास कर रहा है। जय हिन्द अभियान द्वारा ठाणे में पहली बार इस मेगा नाटक का मंचन होने जा रहा है।

23 नवम्बर को शाम 7 बजे डॉक्टर काशीनाथ घाणेकर नाट्य गृह हीरानंदानी मीडोज ठाणे वेस्ट में इसका शो होने जा रहा है। फेलिसिटी थियेटर द्वारा प्रोड्युस इस नाटक के रायटर डायरेक्टर पुनीत इस्सर हैं। पुनीत इस्सर ने इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनके द्वारा लिखित और निर्देशित नाटक महाभारत में दुर्योधन और कर्ण के दृष्टि कोण से कहानी कही गई है। वहीं 31 वर्ष पूर्व बी आर चोपड़ा द्वारा प्रदर्शित टीवी सीरियल महाभारत में श्रीकृष्ण और भीष्म पितामह को केन्द्र में रखकर महाभारत पेश किया गया था। उन्होंने कहा कि महाभारत के कलाकारों द्वारा तीन घंटे का लाइव परफोर्मेंस ठाणे के डॉक्टर काशीनाथ घाणेकर नाट्यगृह में 23 नवम्बर को किया जायेगा। उन्हों ने कहा कि महाभारत प्ले में हर किरदार को जस्टिफाई किया गया है। इस नाटक का महत्वपूर्ण किरदार दुर्योधन खुद पुनीत इस्सर प्ले करते हैं, जबकि बी आर चोपड़ा की महाभारत में शकुनि के किरदार में नजर आए गूफी पेंटल भी अपने किरदार को फिर से जिएंगे. करण शर्मा, दानिश अख्तर भी अहम भूमिकाएं करते हैं। पुनीत इस्सर के पुत्र सिद्धांत इस्सर भी इस नाटक में एक इंपोर्टेंट पार्ट प्ले करते हैं जो जल्द ही बॉलीवुड में भी अपना करियर शुरू करने जा रहे हैं। इन दिनों बॉलीवुड में भी स्टार्स के जरिए महाभारत पर बेस्ड फिल्मों की चर्चा है इस पर पुनीत कहते हैं 'बेशक शाहरुख, सलमान और अक्षय कुमार को महाभारत पर बेस्ड फिल्मे करनी चाहिए। मैंने सुना है कि दीपिका पादुकोण भी द्रोपदी के दृष्टिकोण से एक फिल्म बना रही हैं और ऐसी फिल्मे बननी चाहिए।'

दुनिया के अरबपतियों की संपत्ति पिछले साल 27.55 लाख करोड़ रु घटी

3 साल में पहली बार गिरावट

संवाददाता

दुनिया के अरबपतियों की संपत्ति पिछले साल 388 अरब डॉलर (27.55 लाख करोड़ रुपए) घटकर 8.53 ट्रिलियन डॉलर (606 लाख करोड़ रुपए) रह गई। 2015 के बाद पहली बार इसमें गिरावट आई। वैश्विक राजनीति में उठापटक और शेयर बाजारों में अस्थिरता की वजह से ऐसा हुआ। मल्टीनेशनल इन्वेस्टमेंट बैंक यूबीएस और प्रोफेशनल सर्विसेज फर्म पीडब्ल्यूसी ने शुक्रवार को ये रिपोर्ट जारी की।

चीन में हर दूसरे दिन एक नया अरबपति बन रहा: खबर के मुताबिक अरबपतियों की संख्या के मामले में दूसरे बड़े देश ग्रेटर चाइना के अमीरों की संपत्ति में तेज गिरावट आई। उनकी नेटवर्थ 12.3% घट गई। वहां के शेयर बाजार, करेंसी और विकास दर में गिरावट की वजह से अमीरों को नुकसान हुआ। वहां 48 लोग अरबपतियों की लिस्ट से बाहर हो गए। इसके बावजूद चीन में हर दूसरे दिन एक नया व्यक्ति अरबपति बन रहा है। चीन और भारत समेत पूरे एशिया पैसिफिक क्षेत्र के अरबपतियों की संपत्ति में पिछले साल काफी कमी दर्ज की गई। यूबीएस समेत दुनियाभर के निजी बैंकों का मानना है कि अमेरिका-चीन के बीच ट्रेड वॉर और वैश्विक राजनीति में अस्थिरता की वजह से निवेशकों ने शेयर बाजार से दूरी बनाए रखी, उन्होंने पैसे जमा करने पर ज्यादा फोकस किया। अमेरिका को छोड़ बाकी देशों में पिछले साल अरबपतियों की संख्या में कमी आई। अमेरिका में टेक्नोलॉजी से जुड़े कारोबारी अमीरों की लिस्ट में लगातार जगह बना रहे हैं। 2018 के आखिर तक वहां अरबपतियों की संख्या 749 थी।

भाजपा को विधानसभा चुनाओं में स्थानीय मुद्दों पर ध्यान देने की जरुरत

महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव परिणामों के बाद राष्ट्रीय स्तर पर राजनैनिक वातावरण बहुत खुछ बदला -बदला लग रहा है। दोनों ही राज्यों में चुनाव प्रचार के वातावरण व चुनाव परिणामों के बीच बहुत बड़ा अंतर आया है। चुनाव परिणामों पर के संकेतों से यह बात सामने आई कि मतदाताओं का भाजपा को लेकर मूड एवं मन बदल रहा है, यह बदलाव विपक्षी दलों के भविष्य की राजनीति के लिये नवीन संभावनाओं का द्योतक हैं। नवीन बन रही स्थितियां जहां विपक्षी दलों के लिये खुशी का सबब है, वहीं भाजपा के लिये चिन्ता का कारण भी है। इन दोनों प्रांतों के चुनावों ने सभी राजनीतिक समीकरणों को हिला दिया है, मतदाताओं ने अपने हिस्से की जिम्मेदारी इस प्रकार निभाई है कि उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र में पिछले पांच साल से सत्ता कर रही भाजपा को चेतावनी दी है कि उसकी केन्द्र की सरकार की सफलताओं को राज्यों में पार्टी एक सीमा तक ही भुना सकती है लेकिन सवाल यह है कि क्या इससे इधर-उधर बिखरे विपक्ष को सद्बुद्धि आयेगी और वह संघीय स्तर पर भाजपा का मुकाबला करने में सक्षम किसी ठोस वैकल्पिक नेतृत्व को उकेरेगा? केवल 13 समान विचार वाले दलों के एक साथ आने से तब तक कुछ हासिल होने वाला नहीं है जब तक कि आम जनता में यह विश्वास पैदा न हो कि विपक्षी दल उसकी उन आकांक्षाओं पर खरा उतर सकते हैं जो किसी कारणवश वर्तमान सत्तापक्ष ने पूरी करने में कोताही बरती है। बदले हालात में भी कांग्रेस लाभ लेने को तत्पर दिखाई नहीं दे रही है। उसकी दुर्बलता भाजपा की स्थिति मजबूत करती रही है। लेकिन मतदाता इन स्थितियों के बीच कोई नया नेतृत्व चुन ले तो कोई आश्चर्य नहीं है। लेकिन प्रश्न यहां भी खड़ा है कि केवल 13 समान विचार वाले दलों के एक साथ आने से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। विपक्षी दलों को जन आकांक्षाओं पर खरा उतरने की तैयारी करने होगी। महंगाई, बेरोजगारी, नारी अस्मिता पर मंडरा रहे खतरे, आर्थिक असंतुलन, गरीबी, भुखमरी, प्रदूषण जैसे विभिन्न ज्वलन्त विषयों पर वोट मांगने या किसी तरह का जुमला करने की बजाय पाकिस्तान का मामला हो या कश्मीर का अथवा एनआरसी का, इन्हीं राष्ट्रीय मुद्दों पर सामान्य व्यक्ति को भाजपा ने आकर्षित करने का यत्न किया, इन राष्ट्रोन्मुख मुद्दों के बावजूद महाराष्ट्र और हरियाणा की जनता ने मोहभंग के वातावरण में जनादेश दिया है। कहीं-ना-कहीं भाजपा ने अपने इन चुनावी मुद्दों से आम जनता को लुभाने की कोशिश की, जो नाकामयाब रही। अब आगे जिन राज्यों में चुनाव हो भाजपा को स्थानीय मुद्दों पर ही केवल ध्यान देना होगा।

अशोक भाटिया

अयोध्या: चीफ जस्टिस गोगोई ने उप्र के मुख्य सचिव और डीजीपी से मुलाकात की, फैसले से पहले तैयारियों पर चर्चा हुई

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस रंजन गोगोई ने उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव आरके तिवारी, डीजीपी ओमप्रकाश सिंह समेत कई वरिष्ठ अफसरों से मुलाकात की। इस दौरान चीफ जस्टिस ने अयोध्या केस में फैसला आने से पहले प्रदेश की सुरक्षा तैयारियों को लेकर चर्चा की। अयोध्या मामले की चीफ जस्टिस की अगुआई वाली 5 जजों की बेंच ने सुनवाई की थी। उत्तर प्रदेश के आलाअफसरों के साथ बैठक में बेंच के अन्य जज भी मौजूद हैं। अयोध्या जिले को चार जोन- रेड, येलो, ग्रीन और ब्लू में बांटा गया है। इनमें 48 सेक्टर बनाए गए हैं। विवादित परिसर, रेड जोन में स्थित है। पुलिस के मुताबिक, सुरक्षा योजना इस तरह बनाई जा रही है कि एक आदेश पर पूरी अयोध्या को सील किया जा सके। प्रशासन ने फैसले का समय नजदीक आने पर, अर्धसैनिक बलों की अतिरिक्त 100 कंपनियां मांगी हैं। इससे पहले दीपोत्सव पर यहां सुरक्षाबलों की 47 कंपनियां पहुंची थीं, जो अभी भी तैनात है। अयोध्या पुलिस ने सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार के दुष्प्रचार या किसी भी सम्प्रदाय के खिलाफ भड़काऊ कंटेंट के प्रसार पर नजर रखने के लिए जिले के 1600 स्थानों पर 16 हजार वॉलंटियर तैनात किए हैं। गड़बड़ी रोकने के लिए 3000 लोगों को चिह्नित करके उनकी

निगरानी की जा रही है।

हमारी तैयारियां पूरी: डीएम

अयोध्या के डीएम अनुज कुमार ने कहा कि प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि फैसले के मद्देनजर विवादित जगह के आसपास रहने वाले लोग घरों में राशन जमा कर रहे हैं। हालांकि, उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि सामान्य जीवन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। फैसले के बाद स्कूलों के खुलने के संबंध में भी बातचीत की जा चुकी है।

रेलवे ने आरपीएफ की छुट्टियां रद्द कीं

अयोध्या पर फैसले को देखते हुए रेल पुलिस (आरपीएफ) ने भी एडवाइजरी जारी की है। सभी जोन कार्यालयों को भेजे गए 7 पन्नों के दस्तावेज में प्लेटफॉर्म, स्टेशन और यार्ड पर खास निगरानी रखने को कहा गया है। साथ ही हिंसा की दृष्टि से संवेदनशील और ऐसे स्थानों की पहचान करने को कहा है, जहां असामाजिक तत्व विस्फोटक छुपा सकते हैं। भीड़भाड़ वाले 78 स्टेशनों पर सुरक्षा बढ़ाने को कहा गया है, जिनमें मुंबई, दिल्ली, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के स्टेशन शामिल हैं। साथ ही, रेलवे स्टेशन और आस-पास मौजूद धार्मिक स्थानों की खास निगरानी करने को कहा गया है। आरपीएफ ने अपने सभी कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द कर दी हैं और अयोध्या पर फैसला आने से पहले रेलगाड़ियों में भी अतिरिक्त बल तैनात करने की बात कही है।

40 दिन चली सुनवाई

16 अक्टूबर को अयोध्या मामले पर 40 दिन की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। संविधान पीठ की अध्यक्षता कर रहे चीफ जस्टिस रंजन गोगोई 17 नवंबर को रिटायर होंगे। 2010 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने फैसले में कहा था कि अयोध्या का 2.77 एकड़ का क्षेत्र तीन हिस्सों में समान बांट दिया जाए। एक हिस्सा सुन्नी वक्फ बोर्ड, दूसरा निमोही अखाड़ा और तीसरा रामलला विराजमान को मिले। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में 14 याचिकाएं दाखिल की गई थीं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

गेस्ट हाउस कांड: मुलायम सिंह पर 'मुलायम' हुई मायावती, केस वापसी की अर्जी

लखनऊ। यूपी की सियासत में पिछले तीन दशक के सबसे चर्चित गेस्ट हाउस कांड में बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) प्रमुख मायावती ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के खिलाफ कोर्ट में मुकदमा वापसी की अर्जी दी है। 2 जून 1995 को राजधानी के स्टेट गेस्ट हाउस में मायावती के साथ एसपी नेताओं ने कथित रूप से बदसलूकी की थी। मामले में मुलायम सिंह यादव, उनके भाई शिवपाल सिंह यादव, बेनी प्रसाद वर्मा और आजम खान सहित कई नेताओं के खिलाफ मायावती की ओर से हजरतगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

बीएसपी के एक वरिष्ठ नेता ने केस वापसी की अर्जी दिए जाने की पुष्टि की है। सूत्रों का कहना है कि अर्जी केवल मुलायम के लिए ही दी गई है। बाकी नामों पर पहले का रुख कायम है।

2019 लोकसभा चुनावों में एसपी-बीएसपी गठबंधन के दौरान बनी थी इस केस वापसी की भूमिका

बीएसपी के एक नेता का कहना है कि 12 जनवरी को एसपी-बीएसपी के बीच लोकसभा चुनाव के लिए हुए गठबंधन के दौरान ही इसकी भूमिका बनी थी। सपा के शीर्ष नेतृत्व ने मायावती से मुलायम के खिलाफ मुकदमा वापस लेने का अनुरोध किया था। मायावती ने 19 अप्रैल को मैनुपरी में मुलायम के साथ 24 साल बाद न केवल मंच साझा किया बल्कि उनके लिए वोट भी मांगे थे। इस दौरान भी मायावती ने गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए इसे भूलने की वजह भी गिनाई थी। वहीं, मुलायम ने कहा था, 'मायावतीजी ने बहुत साथ दिया है।

इनका अहसान कभी मत भूलना।' हालांकि चुनाव के बाद यह गठबंधन टूट गया।

1993 में एसपी-बीएसपी साथ चुनाव लड़े थे और तब इस गठबंधन ने अपनी सरकार भी बनाई थी। तत्कालीन एसपी मुखिया मुलायम सिंह यादव सीएम बने, लेकिन दो साल में ही इतनी खटास आ गई कि गठबंधन टूटने की नौबत आ गई। 2 जून 1995 को मायावती ने स्टेट गेस्ट हाउस में बीएसपी विधायकों की बैठक बुलाई। एसपी को भनक लगी कि बीएसपी गठबंधन तोड़ने जा रही है तो सैकड़ों कार्यकताओं के साथ एसपी नेताओं ने गेस्ट हाउस पर हमला कर दिया। इससे बचने के लिए मायावती ने खुद को कमरे में बंद कर लिया।

आरोप है कि इस दौरान एसपी नेताओं ने दरवाजा तोड़ दिया और मायावती के साथ बदसलूकी हुई। उन्हें गाली-गलौज व जातिसूचक शब्द कहे गए। किसी तरह से मायावती वहां से बचकर निकल सकीं। अगले दिन ही उन्होंने बीजेपी की मदद से सरकार बनाई और खुद मुख्यमंत्री बनीं।

दिल्ली कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

नई दिल्ली। प्याज की कीमत राजधानी दिल्ली के बाजारों में 80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। बढ़ते दाम को देखते हुए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने आज केजरीवाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने दिल्ली सचिवालय के बाहर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस के कार्यकताओं ने बड़े अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। हाथों में तख्तियां लिए उन्होंने गले में प्याज की माला पहन रखी थी। तख्तियों में सरकार विरोधी नारेबाजी लिखी थी, 'जनता प्याज के आंसू रोए, केजरीवाल चैन से सोए।' प्रदेश अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा के नेतृत्व में प्रदर्शन का आयोजन किया गया था जिसमें शर्मिष्ठा मुखर्जी और राजेश लिलोठिया सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे जिन्होंने प्याज की माला पहन रखी थी।

प्याज पर एलजी से मिले नेता विपक्ष, बताया बढ़ी कीमतों के पीछे भ्रष्टाचार

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों में भारी बढ़ोतरी के पीछे दिल्ली सरकार और जमाखोरों की मिलीभगत होने का आरोप लगाते हुए विपक्ष के नेता विजेंद्र गुप्ता ने आम लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ गुरुवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल से मुलाकात की। गुप्ता ने एलजी को एक ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि प्याज की बढ़ती कीमतों के पीछे बड़ा भ्रष्टाचार हुआ है, इसलिए इसकी उच्चस्तरीय जांच कराई जाए। एलजी ने जल्द ऐक्शन लेने का भरोसा दिलाया है। विजेंद्र गुप्ता ने एलजी से मुलाकात के बाद बताया कि भारत सरकार की तरफ से 15.90 रुपये प्रति किलो की दर से प्याज मिलने के बावजूद पहले दिल्ली सरकार ने लोगों को 24 रुपये किलो प्याज बेची और सस्ती प्याज बेचने के नाम पर तब भी मुनाफा कमाया। इसके अलावा राशन की जिन 400 दुकानों और 70 मोबाइल वैनों से सस्ता प्याज बेचने की घोषणा की गई थी, उनका भी अब कुछ अता-पता नहीं है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के बार-बार कहने के बावजूद दिल्ली सरकार ने 4 अक्टूबर को चिट्ठी लिखकर केंद्र सरकार से कह दिया कि हमें प्याज नहीं चाहिए।

अयोध्या फैसले से पहले दिल्ली पुलिस ने कसी कमर

नई दिल्ली। अयोध्या फैसला आने से पहले देश भर में एहतियातन सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद की जा रही है। लेकिन दिल्ली पुलिस और वकीलों के विवाद में अफसरों के बिजी होने से राजधानी में सुरक्षा तैयारियां आधी अधूरी पड़ी हैं। सूत्रों का दावा है कि, गुरुवार दोपहर तक ना तो इस बारे में अफसरों ने लोकल पुलिस को दिशा निर्देश जारी किए हैं और नाहीं खुफिया अलर्ट शेयर किया है। लेकिन देर शाम होम मिनिस्ट्री की तरफ से सभी राज्यों को अडवाइजरी जारी कर दी गई। उधर, लोकल पुलिस ने ताजा माहौल को भांपते हुए अपने अपने लेवल पर अतिरिक्त सतर्कता के लिए पुख्ता इंतजाम शुरू कर दिए हैं। पुलिस का आशंका है कि शरारती तत्व धार्मिक सौहार्द को बिगाड़ सकते हैं।

लोकल पुलिस रोजाना धार्मिक गुरुओं के साथ पब्लिक मीटिंग कर रही है। सूत्रों के मुताबिक, ये ज्यादातर वे थाना एरिया हैं जहां आपसी सौहार्द बिगड़ने का खतरा है। इनमें जाफराबाद, हौजकाजी, पुरानी दिल्ली, जामा मस्जिद, ओखला, जामिया, सीलमपुर, त्रिलोकपुरी शामिल हैं। अलग अलग थानों की लोकल पुलिस ने आला अफसरों को पैरा मिलिट्री फोर्स की कंपनी उपलब्ध कराने के लिए इस संबंध में लेटर भेजा हुआ है।

इनमें सबसे ज्यादा अति संवेदनशील हौजकाजी है। यहां पिछले दिनों मामूली बहस के बाद सांप्रदायिक तनाव व हिंसक झड़प में मंदिर में तोड़फोड़ हो चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए इस इलाके में चौकसी बरती जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 1992 में भी हौजकाजी इलाके में सांप्रदायिक तनाव फैल गया था, जिसमें उस वक्त दो एफआईआर दर्ज हुई थीं। ऐसे हालात से निपटने के लिए लोकल पुलिस ने एक कंपनी पैरामिलिट्री फोर्स को बुला लिया है। चार अतिरिक्त कंपनी और मांगी हैं।

मुस्लिम युवक की बारात का हिन्दू समुदाय ने किया भव्य स्वागत

हरदा (मप्र)। जिले के एक गांव में बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय के लोगों ने अपने गांव के एकमात्र मुस्लिम परिवार की बेटी से विवाह करने के लिये विशाखापट्टनम से आई मुस्लिम युवक की बारात का भव्य स्वागत और मेजबानी कर सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल कायम की है।

मध्य प्रदेश के हरदा जिले के रहाई कला गांव में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम से दुल्हा विवाह करने के लिए आया था। गांव के लोगों से मिले प्यार और उनकी भावपूर्ण मेजबानी से उसे और उसके परिवार को हैरानी हुई।गांव के एक मात्र मुस्लिम परिवार याह्या खान की बेटी रफिया खान :25: का बुधवार की रात विशाखापट्टनम के रहने वाले परवेज खान के बेटे जुबेर खान :28: के साथ निकाह हुआ।गांव वालों ने याह्या खान से कहा कि उनके परिवार के पीढ़ियों से आपसी संबंध हैं इसलिए दूल्हे का स्वागत पहले वह लोग करना चाहेंगे। योजना के अनुसार गांव में राम कृष्ण पटेल के परिवार ने सबसे पहले दूल्हे का स्वागत किया। बारात गांव की गलियों से निकली तो महिलाओं और पुरूषों ने फूल बरसाए और आतिशबाजी कर बारातियों का स्वागत किया।पटेल ने पीटीआई से कहा खान परिवार के साथ हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं और उन्हें परिवार का सदस्य ही माना जाता है । उनकी बेटी की शादी हमारी अपनी बेटी की तरह है इसलिए पहले हमने दूल्हे और उसके परिवार का स्वागत किया। याह्या खान ने कहा मेरा परिवार पीढ़ियों से यहां रहने वाला इकलौता मुस्लिम परिवार है। पूरे गांव ने मेरी बेटी की शादी में बारात का स्वागत किया। गांव वालों से मिले सम्मान और प्यार से मेरा परिवार अभिभूत है। दूल्हे जुबेर ने कहा, मैं गांव वालों द्वारा किए गये स्वागत से, विशेषकर यहां हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच प्यार को देखकर बहुत खुश हूं । बड़े शहरों में ऐसी चीजें नजर नहीं आतीं। यहां के लोगों से मिले स्नेह के लिए मैं उनका दिल से आभारी हूं। यह लाजवाब था।

नारी सशक्तिकरण के नाम पर महिलाओं से लूटे ढाई करोड़

आगरा। नारी सशक्तिकरण के नाम पर खोले गए एक एनजीओ के संचालक शहर की 32,000 से अधिक महिलाओं व युवतियों के साथ 2.5 करोड रुपयों की धोखाधड़ी कर फरार हो गए। बुधवार को जब बड़ी संख्या में पीड़ित महिलाओं ने प्रदर्शन किया तब आगरा पुलिस ने मामले की जांच का आश्वासन दिया। बताया जाता है कि सार्थक सोशल वेलफेयर सोसायटी नाम का एक गैर सरकारी संगठन पिछले डेढ़-दो साल से आगरा में नारी सशक्तिकरण के नाम पर कई कोर्स चला रहा था। संगठन का कर्ताधर्ता शाहजहांपुर का प्रमोद कुमार अग्निहोत्री है इस संगठन ने प्रदेश के तमाम जिलों में ऑफिस खोलकर और बिचौलियों की मदद से चेन बनाकर महिलाओं को आकर्षक स्कीम के तहत लालच देकर जाल में फंसाया।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

देखें, सीजन की पहली बर्फबारी से 'जन्नत' बना गुलमर्ग

सीजन की पहली बर्फबारी से 'जन्नत' बना गुलमर्ग
कश्मीर में सीजन की पहली बर्फबारी बुधवार से जारी है। मैदानी इलाकों में भी तापमान कम होने लगा है। इस सुहाने मौसम का लुत्फ लेने के लिए सैलानी भी पहुंच रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी बर्फ की चादर में लिपटी वादियों का लुत्फ उठाना चाहते हैं, तो गुलमर्ग के लिए अपना बैग पैक कर लिजिए। यहां हम आपको गुलमर्ग की कुछ खूबसूरत तस्वीरें दिखा रहे हैं।

पर्यटकों का पसंदीदा स्पॉट
गुलमर्ग जम्मू और कश्मीर का खूबसूरत और फेमस हिल स्टेशन के साथ पर्यटकों का पसंदीदा स्पॉट भी है।

सर्दी में बढ़ जाती है खूबसूरती
कश्मीर के बारामूला जिले में स्थित गुलमर्ग की खूबसूरती सर्दी के मौसम में बर्फबारी के साथ ही काफी बढ़ जाती है।

दुनिया का सबसे ऊंचा गोल्फ कोर्स
गुलमर्ग सिर्फ एक हिल स्टेशन ही नहीं है, बल्कि दुनिया का सबसे ऊंचा गोल्फ कोर्स भी है। यहां दुनियाभर में फेमस स्की रेजॉर्ट भी स्थित है।

स्कीइंग के लिए फेमस
अगर आपको अडवेंचर के शौकीन हैं, तो गुलमर्ग घूमने जाइए। मौसम और खूबसूरत वादियों के साथ यह स्कीइंग के लिए भी काफी मशहूर है। स्कीइंग के मामले में गुलमर्ग को दुनिया की बेस्ट जगहों में गिना जाता है।

करें स्नो बाइकिंग
सिर्फ स्कीइंग ही नहीं, यहां आप स्नो बाइकिंग यानी बर्फ पर बाइक चलाने का भी आनंद उठा सकते हैं।

गॉनडोला केबल कार भी मौजूद
स्की रेजॉर्ट के अलावा यहां गॉनडोला केबल कार भी मौजूद है, जिसके जरिए आप बर्फ से ढके पहाड़ों का आनंद ले सकते हैं।

खिलनमर्ग
गुलमर्ग में ही खिलनमर्ग नाम की खूबसूरत घाटी है, जहां फूलों और पहाड़ों के साथ बहुत सुंदर दृश्य देखने को मिलते हैं।

निंगली नल्लाह
गुलमर्ग से करीब 8 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है निंगली नल्लाह नाम की एक छोटी नदी या जलधारा।

झेलम में गिरती है निंगली नल्लाह
निंगली नल्लाह जलधारा अफरवात चोटी से पिंघलती हुई बर्फ और अलपाथर झील के पानी से बनती है और सफेद बर्फ की तरह चमकती हुई झेलम नदी में गिरती है।

स्नो फेस्टिवल
सर्दियों के मौसम में गुलमर्ग में स्नो फेस्टिवल का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में टूरिस्ट शामिल होते हैं। यह फेस्टिवल जनवरी में होता है।

तीन दिनों का स्नो फेस्टिवल
तीन दिनों तक चलने वाले इस फेस्टिवल के दौरान साइकलिंग, स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग, बेस बॉल आदि का मजा लिया जा सकता है।

सांप पालने का शौक ही बन गई मौत की वजह!

सांप का नाम सुनकर ही दिल में डर पैदा हो जाता है, तो उन्हें घर में पालने का सवाल ही नहीं उठता। ऐसा सामान्य लोग सोचते हैं और सांपों के इर्द-गिर्द नहीं जाते हैं। वहीं, अमेरिका के इंडियाना राज्य की एक महिला को सांप पालने का शौक था, लेकिन जब उसकी मौत हुई तो उसके गले में 8 फीट लंबा अजगर लिपटा हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 36 वर्षीय मृत महिला का नाम लॉरा हर्स्ट है, जो ऑक्सफोर्ड शहर की रहने वाली थी। वह महिला अपने घर में मृत पाई गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। रिपोर्ट में बताया गया है कि लॉरा हर्स्ट के घर में 140 सांप पाए गए हैं। उन्हें देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि वे वहीं पर रहते हैं। उनमें से 20 सांप लॉरा हर्स्ट के थे। वह सप्ताह में दो बार उस जगह पर आती थीं। वह सांपों की ब्रीडिंग कराती थीं और उनको बेचती थीं।

मुंबई हलचल राशिफल

आचार्य परमानंद शास्त्री

मेष
संतान की चिंता रहेगी। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। भागदौड़ रहेगी। शत्रु भय रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धनार्जन होगा।

सिंह
बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल लाभ देगी।

धनु
प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कुसंगति से बचें। राजकीय बाधा दूर होगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें।

वृष
शुभ समाचार मिलेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। विवाद से बचें। सम्मान मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। लाभ होगा।

कन्या
नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर
भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उन्नति होगी। घर में तनाव संभव है। जीवनसाथी की चिंता रहेगी।

मिथुन
भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति होगी। यात्रा सफल रहेगी। प्रेम-प्रसंग अनुकूल रहेंगे।

तुला
पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। धन प्राप्ति सुगमता से होगी।

कुंभ
स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ होगा।

कर्क
फालतू खर्च होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में सावधानी रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। थकान रहेगी।

वृश्चिक
चोट, चोरी व विवाद से हानि संभव है। उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। मानसिक अशांति बढ़ेगी।

मीन
व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। अशुभ सूचना मिल सकती है। मानसिक अशांति बढ़ेगी। विवाद से क्लेश संभव है।

हिमाचल की शीतकालीन राजधानी धर्मशाला के ये हैं प्रमुख पर्यटन स्थल

भारत में दलाई लामा निवास स्थान और विशाल तिब्बती बस्तियों के रूप में जाने वाला धर्मशाला एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा घाटी में धौलाधर पर्वत श्रंखला के ऊपर स्थित है। धर्मशाला में पर्यटकों के घूमने के लिए कई स्थान है अगर आप धर्मशाला घूमने जाएं तो इन स्थानों की सैर जरूर करें। यहां हम आपको धर्मशाली के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी दे रहे हैं। साथ ही धर्मशाला को छुट्टियों के लिए चुनने से पहले आपको यह जानना होगा की धर्मशाला कैसे पहुंचे।

भागसुनाग
भागसुनाग मंदिर उतना ही पुराना है जितना डल झील है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इसकी उत्पत्ति दैत्य राजा भागसु और नागों के देवता (नागराज) के बीच एक विशाल लड़ाई से हुई थी। हालांकि इसका कई बार पुनर्निर्माण किया गया है और यह वर्तमान में सफेद टाइलों से ढका हुआ है। इस जगह में कुछ तो ऐसा जरूर है जो अपनी ओर खींचता।

डल झील
पौराणिक कथाओं के अनुसार कैलाश पर्वत के नीचे पवित्र मणिमहेश झील में स्नान करते वक्त एक राजा ने अपनी एक सोने की अंगूठी खो दी थी। उसके बाद अंगूठी डल झील में आ गई। यह जल निकाय उन गरीब व्यक्तियों के लिए मणिमहेश (कैलाश में स्थित झील) मानी जाता थी। जो मोक्ष की प्राप्ति के लिए कैलाश तक स्नान के लिए नहीं जा सकते। हालांकि आज यह एक तालाब से ज्यादा कुछ नहीं है फिर भी स्थानीय लोगों के लिए यह झील पवित्र है। यह झील यात्रा के लायक है।

तिब्बतन इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट
थिएटर तिब्बती संस्कृति का एक बड़ा हिस्सा है। यहां पारंपरिक शैली में नाटक की प्रस्तुति की जाती है। दलाई लामा के कारण ही यह संरक्षित है जिन्होंने तिब्बती इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट की स्थापना की है। आज, यह केवल स्थानीय लोगों के लिए ही नहीं बल्कि बाहर से आने वालों के लिए भी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। लोग यहां 10 दिनों तक चलने वाली वार्षिक शोटन महोत्सव को देखने के लिए आते हैं। तिब्बती इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट के सदस्यों द्वारा ड्रम, झांझ, शानदार वेशभूषा और दिलचस्प किरदारों का प्रदर्शन किया जाता है। ये नजारा देखने में काफी सुंदर होता है।

नोर्बुलिंग्का संस्थान
धर्मशाला के पास महत्वपूर्ण तिब्बती संस्थानों में से एक नोर्बुलिंग्का सदियों पुरानी तिब्बती वास्तुकला के आकर्षण का प्रतीक है और इसका नाम ल्हासा के निकट लामा के ग्रीष्मकालीन महल के नाम पर रखा गया। सात एकड़ में फैली इस पारंपरिक तिब्बती इमारत का निर्माण उन निपुण कारीगरों द्वारा किया गया था जो तिब्बत से दलाई लामा के साथ भाग गए थे। इस इमारत के परिसर में एक मंदिर, पुस्तकालय, कॉलेज, डिजाइन स्टूडियो, गेस्ट हाउस, और एक कैफे शामिल हैं। सुंदर बगीचों के बीच स्थित घुमावदार रास्तें, बहती नदियां, झरने, पुलों और तालाबों के साथ-साथ धौलाधार पहाड़ों का अदभुत नजारा दिखाई देता है। यहां आप गेस्टहाउस में ठहर सकते हैं और यहां की तिब्बती संस्कृति में खुद को डुबा सकते हैं।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

स्पोर्ट्स हलचल

मुंबई, शनिवार
9 नवंबर, 2019

अपने 100वें टी20 इंटरनैशनल मैच में रोहित ने 'सिक्स' से बनाए कई रेकॉर्ड

राजकोट। भारतीय ओपनर रोहित शर्मा ने बांग्लादेश के खिलाफ राजकोट में सीरीज के दूसरे टी20 इंटरनैशनल मैच में 85 रन की तूफानी पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने कुछ रेकॉर्ड भी बनाए। रोहित ने 43 गेंदों पर ताबड़तोड़ 6 छक्के और 6 चौके लगाए।

क्रिकेट की दुनिया में 'हिटमैन' के नाम से मशहूर रोहित के नेतृत्व में भारतीय टीम में गुरुवार को सौराष्ट्र क्रिकेट असोसिएशन में खेले गए इस मुकाबले को 8 विकेट से जीता। इस जीत के साथ ही 3 मैचों की सीरीज में भारत ने 1-1 से बराबरी भी की। सीरीज का तीसरा और निर्णायक टी20 मैच 10 नवंबर को नागपुर में खेला जाएगा। विराट कोहली की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया की कमान संभाल रहे रोहित इस कैलेंडर ईयर में सभी फॉर्मेट में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। सबसे खास यह है कि रोहित ने यह उपलब्धि लगातार तीसरे साल हासिल की। रोहित शर्मा राजकोट में बांग्लादेश के खिलाफ गुरुवार को जब टॉस के लिए उतरे तो एक और रेकॉर्ड उनके नाम दर्ज हो गया। उनके टी20 इंटरनैशनल करियर का यह 100वां मुकाबला रहा। वह यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले भारतीय पुरुष क्रिकेटर बन गए। ओवरऑल वह दुनिया के दूसरे पुरुष क्रिकेटर बने। उनसे ज्यादा इस फॉर्मेट में इंटरनैशनल मैच पाकिस्तान के शोएब मलिक (111 मैच) ने खेले हैं। बता दें कि रोहित शर्मा के नाम टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का वर्ल्ड रिकॉर्ड है। 32 साल के रोहित शर्मा ने 100 टी-20 इंटरनेशनल मैचों में 32.53 की औसत से 2537 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं। इतना ही नहीं रोहित शर्मा टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं। रोहित शर्मा के टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 115 छक्के हैं।

किंग्स इलेवन को अश्विन के बदले दिल्ली कैपिटल्स से मिले डेढ़ करोड़ रुपये और सुचित

नई दिल्ली। किंग्स इलेवन पंजाब को गुरुवार को दिग्गज ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के बदले दिल्ली कैपिटल्स टीम से डेढ़ करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा दिल्ली टीम को कर्नाटक के स्पिनर जगदीश सुचित भी मिले जिससे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस भारतीय ऑफ स्पिनर के भविष्य को लेकर चल रही अटकलें भी समाप्त हो गईं।

सुचित के अलावा किंग्स इलेवन ने अश्विन के बदले न्यू जीलैंड के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट को भी मांगा था लेकिन दिल्ली की टीम इसके लिए राजी नहीं हुई। इससे पहले काफी समय तक 33 वर्षीय अश्विन के भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं कि वह पंजाब से किस टीम में जाएंगे।

किंग्स इलेवन पंजाब के सह-मालिक नेस वाडिया ने कहा, इस समझौते से सभी खुश हैं। हम खुश हैं, अश्विन खुश हैं और दिल्ली टीम खुश है। हम तीन टीमों से बात कर रहे थे लेकिन अंततः इस फैसले पर पहुंचे। वह पिछले सीजन में पंजाब टीम के कप्तान थे, लेकिन उनकी टीम का प्रदर्शन खास नहीं रहा।

दिल्ली टीम में शामिल होने वाले अश्विन को इस फ्रैंचाइजी से 7 करोड़ 60 लाख रुपये का भुगतान किए जाने की उम्मीद है जिस राशि पर उनकी नीलामी हुई थी। आईपीएल स्थानांतरण विंडो के 14 नवंबर को बंद होने के बाद इसकी आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

ऐसा है आईपीएल करियर

अश्विन ने आईपीएल में अब तक कुल 139 मैच खेले हैं, जिनमें 125 विकेट झटके। उनका इस लीग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 34 रन देकर 4 विकेट रहा जो उन्होंने 2016 के सीजन में बनाया। इसके अलावा उन्होंने कुल 375 रन बनाए और उनका टॉप स्कोर 45 रन रहा।

टी20 में स्पिनरों की भूमिका अहम, शांतचित बने रहना जरूरी : सुंदर

राजकोट। भारतीय ऑफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर का मानना है कि टी20 क्रिकेट में स्पिनरों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। हालांकि इस छोटे फॉर्मेट में हर कोई उन्हें निशाना बनाना चाहता है। सुंदर ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत की जीत के बाद यह बात कही। दोनों स्पिनरों युजवेंद्र चहल (28 रन देकर दो) और सुंदर (25 रन देकर 1 विकेट) ने भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई और बांग्लादेश को अच्छी शुरूआत का फायदा नहीं उठाने दिया।

सुंदर ने मैच के बाद कहा, क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में स्पिनरों की वास्तव में अहम भूमिका होती है क्योंकि वे गेंद की गति को नियंत्रित करते हैं। कई बार पिच से भी स्पिनरों को थोड़ी मदद मिल सकती है। चहल ने 13वें ओवर में दो विकेट लिए जिससे भारत को बांग्लादेश को छह विकेट पर 153 रन पर रोकने में मदद मिली। भारत ने लक्ष्य आसानी से हासिल करके तीन मैचों की सीरीज बराबर कराई।

सुंदर ने कहा, यह सब छोटी छोटी चीजों को समझने से जुड़ा है जैसे बल्लेबाज किस क्षेत्र में आप पर शॉट मारने जा रहा है और इसी तरह की अन्य छोटी चीजें। निश्चित तौर पर चीजों को सरल बनाये रखना और शांतचित बने रहना महत्वपूर्ण होता है। कुछ मैचों में आपकी गेंदों की धुनाई हो सकती है लेकिन खेल के इस फॉर्मेट में ऐसा होता है। सुंदर ने अपने सीनियर साथी चहल की तारीफ की और कहा कि हरियाणा का यह गेंदबाज किसी भी टीम के लिए अहम है क्योंकि वह टी20 मैचों में बीच के ओवरों में विकेट लेना जानता है।

उन्होंने कहा, ईमानदार बने रहना महत्वपूर्ण है विशेषकर किसी के लिए (जैसे चहल), जो बीच के ओवरों में गेंदबाजी करके खेल की दिशा बदल देते हैं। हमने उन्हें (चहल) वनडे और टी20 में भी ऐसा करते हुए देखा है। वह बीच के ओवरों में आते हैं, 2-3 विकेट लेते हैं और मैच का नक्शा पूरी तरह से बदल देते हैं। चहल इस फॉर्मेट में बेहद अनुभवी है और जानते हैं कि बीच के ओवरों में विकेट लेने के लिए क्या करना है। हमने उन्हें पावरप्ले में भी सफलता हासिल करते हुए देखा है। वह निश्चित तौर पर किसी भी टीम के लिए महत्वपूर्ण हैं।'

प्रो लीग से ओलिंपिक की तैयारी बेहतर होगीः रूपिंदर

नई दिल्ली। भारत जनवरी में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे सीजन में पदार्पण करेगा और टीम के सीनियर ड्रैगफ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह का मानना है यह तोक्यो ओलिंपिक के लिए आदर्श तैयारी का काम करेगा। पिछले साल टूर्नमेंट के पहले सत्र से बाहर रहने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान की शुरूआत अगले साल जनवरी में घरेलू सरजमीं पर नीदरलैंड के खिलाफ करेगी। पिछले हफ्ते भुवनेश्वर में ओलिंपिक क्वॉलिफायर के साथ राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले रूपिंदर ने कहा कि प्रो लीग से 2020 ओलिंपिक से पहले भारतीय टीम को अपने मजबूत और कमजोर पक्षों का उचित अनुमान लग जाएगा।

उन्होंने कहा, एफआईएच प्रो लीग अपने पहले सत्र में काफी सफल रही और अगले साल इस हिस्सा बनने को लेकर हम काफी उत्साहित हैं। इन मैचों से हमारी अच्छी परीक्षा होगा, विशेषकर दुनिया भर की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ खेलने से। अगले आठ महीने में हम कुछ बेहद मजबूत टीमों की मेजबानी करेंगे और उनकी सरजमीं पर जाकर खेलेंगे।

रूपिंदर ने कहा, हमारा लक्ष्य ओलिंपिक के लिए क्वॉलिफाइ करना था और अब हमने अपना स्थान पक्का कर लिया है इसलिए अब समय है कि ओलिंपिक खेलों की तैयारी के लिए सब कुछ झोंक दिया जाए। ओलिंपिक की तैयारी के लिए हमारे पास 9 महीने हैं और एफआईएच प्रो लीग से हमारी अच्छी तैयारी होगी। हम देख पाएंगे कि शीर्ष टीमों के खिलाफ हमारी स्थिति क्या है और ओलिंपिक से पहले हमारे पास सुधार और बदलाव करने का पर्याप्त समय होगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ट्रोलिंग पर बोलीं अदिति राव हैदरी, आप इससे भाग नहीं सकते

फिल्म ऐक्ट्रेस अदिति राव हैदरी आने वाले समय में फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में नजर आएंगी। अदिति राव हैदरी का कहना है कि वह सोशल मीडिया ट्रोलर्स को दया की नजरों से देखती हैं क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि ये ट्रोलर्स अपनी जिंदगी में जरूर मुसीबतों का सामना कर रहे होते हैं और यही वजह है कि इस तरह के काम से वे अपने गुस्से को किसी और पर निकालते हैं। अदिति राव हैदरी ने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रोलिंग एक वास्तविकता है जिससे आप भाग नहीं सकते हैं क्योंकि मेरा मानना है कि जो दूसरों को ट्रोल करते हैं वे अपनी जिंदगी में जरूर किसी तरह की समस्या का सामना कर रहे होते हैं या वे खुद को लेकर दुखी हैं या किसी और चीज को लेकर गुस्से में हैं इसलिए आपके सोशल मीडिया पोस्ट पर वे अपने गुस्से को जाहिर करते हैं।

सक्सेस के पीछे अमृता सिंह का बड़ा रोलः सैफ

सैफ अली खान ने जब अमृता सिंह से शादी की और जब तलाक लिया, ये दोनों बातें काफी सुर्खियों में रही थीं। सैफ अली खान और अमृता सिंह एक-दूसरे का सम्मान करते हुए दोनों अलग हो गए थे और दोनों अपनी-अपनी जिंदगी में खुश हैं। अमृता सिंह अपने और सैफ अली खान के रिश्ते पर बोलने से बचती नजर आती हैं, वहीं सैफ अली खान अक्सर इस बारे में बात करते नजर आ जाते हैं। सैफ अली खान ने इस बात को माना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनकी सफलता के पीछे अमृता सिंह का हाथ है। हाल ही में सैफ अली खान ने अपने एक्स वाइफ अमृता सिंह और अपने फिल्मी करियर में उनके योगदान में बारे में बात की। सैफ अली खान ने 20 साल की उम्र में घर से भागकर अमृता सिंह से शादी कर ली थी। उन्होंने बताया कि अमृता सिंह ही एकमात्र वह इंसान हैं, जिन्होंने मुझे काम को गंभीरता से करना सिखाया।

'सत्ते पे सत्ता' के रीमेक में ग्लैमरस टीचर के रोल में नजर आएंगी अनुष्का?

काफी दिनों से ऐसी चर्चा चल रही है कि फिल्ममेकर फराह खान 'सत्ते पे सत्ता' का रीमेक बनाने जा रही हैं। फैंस भी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऑरिजनल फिल्म में अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी लीड रोल में थे। कहा जा रहा है कि रीमेक में उनकी जगह रितिक रोशन और अनुष्का शर्मा लेंगे। इस बीच फिल्म में अनुष्का के कैरक्टर से जुड़ा नया अपडेट सामने आया है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, जहां ऑरिजनल फिल्म में हेमा मालिनी ने किरदार निभाया था, वहीं फराह ने रीमेक में लीड ऐक्ट्रेस का प्रफेशन चेंज कर दिया है। फिल्म में अनुष्का ग्लैमरस टीचर के रोल में होंगी। बता दें, अनुष्का के रोल के लिए फराह ने अपनी ही फिल्म 'मैं हूं ना' से प्रेरणा ली है जिसमें सुष्मिता सेन ग्लैमरस टीचर 'मिस चांदनी' के किरदार में दिखी थीं। हालांकि, इस बार साड़ी की जगह अनुष्का शॉर्ट जैकेट्स और समर ड्रेसेस में नजर आएंगी। रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म में रंजीता का कैरक्टर प्रीति जिंटा निभा सकती हैं। अगर ऐसा होता है तो लंबे वक्त बाद रितिक और प्रीति किसी फिल्म में साथ नजर आएंगे। इससे पहले उन्होंने साथ में 'मिशन कश्मीर', 'लक्ष्य' और 'कोई मिल गया' जैसी फिल्में की हैं।